आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | मंगलवार, 3 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 28, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

कौशल विकास और उद्यमिता का एकीकृत केंद्र बनेगा सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन : योगी

मुख्यमंत्री का निर्देश, सभी जनपदों में उपयुक्त स्थलों पर भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रारम्भ कराएं एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को रोजगार से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर घोषित ह्यसरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोनह्न के लिए सभी जनपदों में उपयुक्त भूमि शीघ्र चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति का लक्ष्य ऐसा सक्षम वातावरण तैयार करना है, जहां युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसर एक ही परिसर में सुलभ हो। उन्होंने निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी योजना को स्थानीय आवश्यकताओं और क्षेत्रीय संभावनाओं के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि यह जोन उद्योग, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार तथा उद्योग-सहायता से जुड़े विभागों और सुविधाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने एमएसएमई, सेवा आधारित उद्योगों और नवाचार से जुड़े क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्लग-एंड-प्ले यूनिट और फ्लैटेड फैक्ट्री जैसी आधुनिक सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया, ताकि उद्यमियों को प्रारम्भ से ही आवश्यक अवसंरचना उपलब्ध हो सके।

बैठक में अवगत कराया गया कि इस योजना के अंतर्गत कॉमन फैसिलिटी सेंटर, टेस्टिंग फैसिलिटी, डिस्प्ले एवं डिजाइन सेंटर, टूल रूम, ईटीपी/सीईटीपी, प्लग-एंड-प्ले यूनिट तथा फ्लैटेड फैक्ट्री की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही युवाओं के कौशल उन्नयन हेतु उद्यमिता प्रशिक्षण, मेंटरिंग, विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी तथा हैंडहोल्डिंग की व्यवस्था भी इसी परिसर से की जाएगी।

बैठक में यह भी बताया गया कि योजना को चरणबद्ध रूप से प्रदेश के सभी जनपदों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है। प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 50 एकड़ क्षेत्रफल में एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। प्रस्तावित जोन के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र, फ्लैटेड फैक्ट्री, वाणिज्यिक क्षेत्र, सड़क, कॉमन फैसिलिटी, सर्विस सेक्टर, ग्रीन एरिया और कार्यालय स्पेस का संतुलित लेआउट तैयार किया गया है। इसके साथ ही ह्यसरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड स्किल डेवलपमेंट सेंटरह्न की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिसमें प्रशिक्षण हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, एक्सटेंशन काउंटर और उद्योग-सहायता से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि ऑपरेशनल मॉडल के अंतर्गत स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, कौशल विकास, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप तथा सम्बंधित उद्योगों में वेतन आधारित रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यसरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोनह्न प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और उद्यमिता का एक सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सम्भावित स्थलों की शीघ्र पहचान कर परियोजना के क्रियान्वयन को गति दी जाए, ताकि यह पहल प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन का एक प्रभावी मॉडल बन सके।

संत गुरु रविदास के समता, करुणा और सेवा के मूल्य आज भी समाज को प्रेरित करते हैं: सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से की बातचीत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण संत शिरोमणि गुरू रविदास जी के नाम से किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आदमपुर एयरपोर्ट को श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट का नाम दिया। यह नामकरण श्री गुरु रविदास महाराज जी के अमर आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उनके द्वारा दिए गए समता, करुणा और सेवा के मूल्य आज भी समाज को प्रेरित करते हैं और हमें एक समरस, न्यायपूर्ण तथा मानवीय समाज के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। यह पहल उनके महान विचारों को सम्मान देने के साथ-साथ भावी पीढ़ियों को भी उनके संदेश से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल यह भी दशार्ती है कि हमारा राष्ट्र उन महापुरुषों को निरंतर स्मरण करता है जिन्होंने समाज को दिशा देने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर देश के बड़े संस्थानों का नाम संत-महापुरुषों के नाम से कर रहे हैं, जो संत-महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि है। पिछले दिनों अयोध्या एयरपोर्ट का नाम भी महर्षि वाल्मीकि के नाम से रखा गया था। इसी तरह से हिसार एयरपोर्ट का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम से रखा गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार का आम बजट समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। इस बजट में हरियाणा को विशेष स्थान दिया गया है। बजट में सेम की समस्या से ग्रसित जमीन की बात की गई, एमएसएमई, इंडस्ट्री और एआई को विशेष स्थान दिया गया, जिसका लाभ सीधे हरियाणा को मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार 55 साल सत्ता में रही लेकिन ऐसा बजट पेश नहीं कर पाई। यह बजट महिलाओं को सशक्त करने वाला है। यह युवाओं को रोजगार देने वाला है। यह किसानों को मजबूत करने वाला बजट है। किसान, युवा, महिला और गरीब सहित 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। वहां के लोगों ने मन बना लिया है कि पंजाब को यदि आगे बढ़ाना है तो भाजपा की सरकार बनानी पड़ेगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकार ने लोगों को सिर्फ सब्ज-बाग दिखाए। पंजाब में पिछले दिनों बाढ़ आई, किसानों की फसल खराब हुई। वहां के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसानों को 20 हजार रुपये एकड़ मुआवजा दिया और उनकी पार्टी के मुखिया गुजरात जाकर कह रहे हैं कि हमने किसानों को 50 हजार रुपये मुआवजा दिया। वह सिर्फ लोगों को बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं। किसानों का नुकसान हो गया और वह सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेकने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के किसानों की समस्या को समझा और 16 हजार करोड़ रुपये देने का काम किया।

दिव्यांगजनों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करना एक मात्र उद्देश्य : ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
अशोक नगर

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वत्तोर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि नवरत्न दिव्यांगजनों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करना एक मात्र उद्देश्य है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सोमवार को मध्य प्रदेश के अशोक नगर में शासकीय विधि महाविद्यालय में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में निःशुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का यह शिविर ऐतिहासिक है। हमारे क्षेत्र के नवरत्नों से मिलने का मौका मिला है। दिव्यांगजन का कैम्प सेवा का एक संगम है। साथ ही संवेदना का सम्मान करने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि सिंधिया परिवार की पृष्ठभूमि भारत माता की सेवा, जनता की सुरक्षा, जनजन के विकास में योगदान देने की परम्परा रही है। हमारा दायित्व है कि अपने क्षेत्र के एक एक नागारिक का ध्यान रखकर कर विकास और प्रगति की राह पर आगे ले जाएं। उन्होंने कहा कि एलम्को पूरे देश में दिव्यांगों की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। संसदीय क्षेत्र के 8240 नवरत्न दिव्यांगों के लिए कृत्रिम उपकरणों का वितरण कराया जा रहा है। उन्होंने दिव्यांगों को हर क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रोत्साहित किया।

केन्द्रीय मंत्री ने भारत सरकार की एडिप एवं वयोश्री योजनान्तर्गत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित शिविरों में जिले के कुल 1456 चिन्हाकिंत दिव्यांग एवं वृद्धजनों को 01 करोड़ 61 लाख रुपये की राशि के 5172 जीवन सहायक उपकरणों का वितरण गया। इस दौरान दिव्यांग एवं वृद्धजनों को मोट्रेट ट्रायसाईकिल, ट्रायसाईकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी तथा अन्य सामग्री का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव व जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, कलेक्टर साकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बडी संख्या में दिव्यांगजन और वृद्धजन उपस्थित रहे।

कॉल सेंटर में 505 नौजवानों को मिला रोजगार, सिंधिया ने किया निरीक्षणइससे पहले केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर जिला मुख्यालय स्थित विधि महाविद्यालय में संचालित कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस सेंटर में 505 नौजवानों को रोजगार मुहैया कराया गया है। कॉल सेंटर बच्चों के भविष्य का सहारा बन रहा है। उन्होंने कॉल सेंटर में नौजवानों से संवाद करते हुए कॉल सेंटर संचालन की गतिविधियो के बारे में विस्तार से जानकारी ली। नौजवानों ने बताया कि कॉल सेंटर में रोजगार पाकर हम सभी धन्य है। यहां पर धैर्य, अनुभव एवं बात करने का तरीका सीखने को मिला है। उपभोक्ताओं को संतुष्ट करना ही जिदंगी के मार्ग को प्रशस्त करता है।

देश को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी: रिजिजू

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने चीन सीमा विवाद को लेकर लोकसभा में दिए गए बयान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन के नियमों का उल्लंघन किया और देश को कमजोर दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि राहुल को चीन सीमा के मुद्दे पर कांग्रेस की ह्लऐतिहासिक गलतियोंह्व के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

रिजिजू का यह बयान सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच हुए तीखे टकराव के बाद आया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरूआत से ही नियमों का पालन नहीं किया और एक ऐसी पुस्तक से उद्धरण देने लगे, जिसका न तो प्रकाशन हुआ है और न ही उसकी प्रामाणिकता स्पष्ट है।

उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित सरकार के सदस्यों ने आपत्ति जताई और लोकसभा अध्यक्ष ने नियम 349 के तहत स्पष्ट रूलिंग दी कि बिना सदन की अनुमति किसी अप्रकाशित पुस्तक या प्रकाशन का हवाला नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद राहुल ने अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी और बार-बार वही बात दोहराते रहे।

रिजिजू ने कहा, राहुल गांधी ने लगभग आधे घंटे तक सदन का समय बर्बाद किया, नियमों का उल्लंघन किया और चीन सीमा के मुद्दे को उठाते रहे। क्या कांग्रेस 1959 और 1962 में चीन द्वारा कब्जाई गई जमीन वापस ला सकती है?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है और सशस्त्र बल पूरी तरह सक्षम हैं। रिजिजू ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संसद नियमों से चलती है। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी प्रतिष्ठित परिवार में पैदा हुआ हो, संसद और उसके नियमों से ऊपर नहीं हो सकता।

संसदीय कार्य मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी खुद को संसद से ऊपर समझते हैं और नियमों का पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा सदन में ताली बजाना भी दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य था।

ट्रंप का दावा- मोदी से व्यापार समझौते, टैरिफ कटौती और रूसी तेल खरीद पर हुई चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत को लेकर बड़ा दावा किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से व्यापार, रूस-यूक्रेन युद्ध और ऊर्जा सहयोग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।

ट्रंप के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से तेल खरीद रोकने और अमेरिका व संभावित रूप से वेनेजुएला से अधिक ऊर्जा खरीदने पर सहमति जताई। ट्रंप ने दावा किया कि इससे यूक्रेन युद्ध खत्म करने में मदद मिल सकती है।

अपने बयान में ट्रंप ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर रेसिप्रोकल टैरिफ 25% से घटाकर 18% करेगा। साथ ही उन्होंने दावा किया कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को शून्य तक लाने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

ट्रंप ने कहा कि भारत ह्लबाय अमेरिकनह्व नीति के तहत अमेरिकी ऊर्जा, तकनीक, कृषि और अन्य उत्पादों की बड़े स्तर पर खरीद बढ़ाएगा। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को भविष्य में और मजबूत होने की बात भी कही।हालांकि, इन दावों पर भारत सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि या विस्तृत बयान अभी तक सामने नहीं आया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि ऐसे किसी समझौते पर प्रगति होती है, तो यह भारत-अमेरिका आर्थिक और रणनीतिक संबंधों में अहम मोड़ साबित हो सकता है।

जो गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग तीनों में कमाल कर दे- वही असली ऑलराउंडर: शिवराज सिंह

एजेंसी (हि.स.)
रायसेन

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रविन्द्र जडेजा यानी जज्बा, जुनून। जो अपनी स्पिन से बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड कर दे, जो आखरी ओवर में भी जीत की उम्मीद जगा दे और जो गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग तीनों में कमाल कर दे, वही असली ऑलराउंडर होता है और युवाओं के लिए प्रेरणा है।

केन्द्रीय मंत्री चौहान सोमवार को विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आयोजित 100 दिवसीय सांसद खेल महोत्सव के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑल राउंडर खिलाड़ी रविन्द्र जडेजा भी मौजूद थे। इस अवसर पर खेल महोत्सव के फाइनल में क्रिकेट-कबड्डी खेलों के फाइनल रोमांचक मुकाबले हुए।

रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में केन्द्रीय कृषि मंत्री और विदिशा सांसद शिवराज सिंह चौहान, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, मछुआ कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार और क्रिकेटर रविन्द्र जडेजा ने कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री करन सिंह, खेल मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी सहित विदिशा संसदीय क्षेत्र के विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, पूर्व कैबीनेट मंत्री रामपाल सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधी भी उपस्थित रहे। शुभारंभ के उपरांत अतिथियों द्वारा खुले वाहन में मैदान का भ्रमण किया और खिलाड़ियों व दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

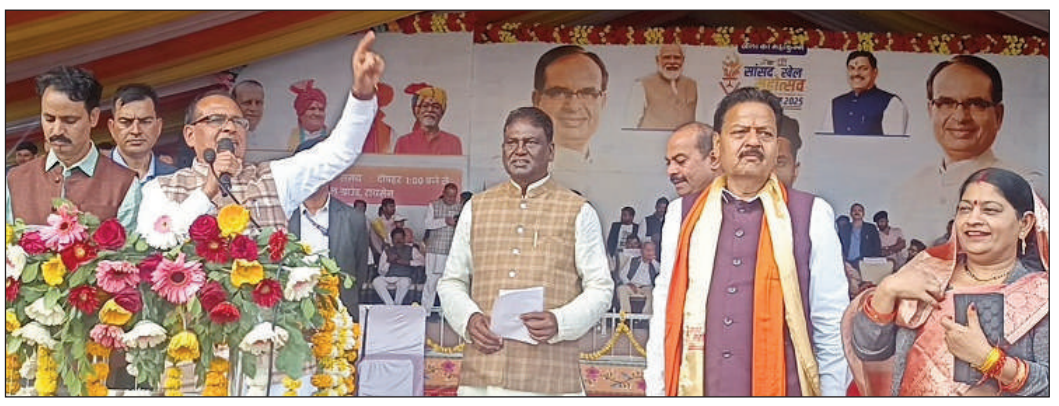

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि रायसेन में आयोजित यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आनंद, प्रेम और स्नेह का कुंभ है। यह खेल महाकुंभ 100 दिन पहले प्रारंभ हुआ, जिसमें 952 पंचायतों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि पंचायत, मंडल और विधानसभा स्तर के मुकाबलों के बाद आज क्रिकेट और कबड्डी खेलों में महिला और पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए। इस पूरे आयोजन में लगभग एक लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें बच्चों के साथ-साथ कहीं सास-बहू ने टीम बनाकर रस्साकशी की तो कहीं मां-बेटी की टीम ने खेलों में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि रायसेन किले तक रोपवे की अनुमति भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी है। अब रोपवे किले के ऊपर तक जाएगा और वहां एक भव्य म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। साथ ही किले का सौंदर्यीकरण कर उसे पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाया जाएगा, जिससे रायसेन की ऐतिहासिक पहचान को नई मजबूती मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि रायसेन में मेडिकल कॉलेज खुलेगा, जिसकी घोषणा पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर चुके है। साथ ही रायसेन में 12, 13 और 14 अप्रैल को किसान कुंभ और किसान मेला आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान ही उनके जीवन की सबसे बड़ी सफलता है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मामा कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव, ग्रामीण और शहरी युवाओं को उनके कौशल का प्रदर्शन करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार खेलों इंडिया के लिए और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उनका मंशानुरूप ही देश में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन हो रहा है। तोमर ने कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में वृहद स्तर पर सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया और आज इसका समापन हो रहा हैं। लगभग सौ दिवस तक सांसद खेल महोत्सव का आयोजन हुआ है। खेलों का जीवन में बहुत महत्व है! खेल के माध्यम से जीवन में अनुशासन का समावेश होता है। साथ ही टीम भावना भी बढ़ती है।

विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आज यहां खेलों का समागम हो रहा है। यह ऐतिहासिक क्षण है जब हमारे बीच भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑल राउंडर खिलाड़ी रविन्द्र जडेजा हमारे बीच उपस्थित हैं। उन्होंने सांसद खेल के महोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने, अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है। इस आयोजन के बाद बच्चों की, युवाओं की खेलों में और रूचि बढेगी।

आम बजट में हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार : विनय कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने बजट को हिमाचल विरोधी बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि इस बजट में आपदा से बुरी तरह प्रभावित हिमाचल प्रदेश को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है और किसी भी वर्ग को न तो कोई ठोस राहत दी गई है और न ही कोई सीधा लाभ मिला है।

विनय कुमार ने सोमवार को प्रेस वार्ता में कहा कि हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं से हिमाचल को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। केंद्र सरकार की टीम के आकलन के मुताबिक प्रदेश को करीब 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। ऐसे में राज्य को 16वें वित्त आयोग से राहत और राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) में बढ़ोतरी की उम्मीद थी, लेकिन इसके उलट बजट में आरडीजी को घटाकर शून्य कर दिया गया। उन्होंने कहा कि रिवेन्यू डिफिसिट ग्रांट हिमाचल का अधिकार है और इसे खत्म करना प्रदेश के साथ अन्याय है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बजट में रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई है और मनरेगा जैसी योजना को लगभग खत्म कर देने जैसा रवैया अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के नाम पर भी केवल दिखावा किया गया है। जिन ट्रैकिंग रूट्स की बात बजट में की गई है, वे हिमाचल में पहले से मौजूद हैं और इससे प्रदेश को कोई नई दिशा नहीं मिलती।

रेलवे विस्तार को लेकर भी विनय कुमार ने निराशा जताई। उन्होंने कहा कि इस बजट में हिमाचल के लिए रेलवे के क्षेत्र में कोई नई सौगात नहीं दी गई। लंबे समय से लंबित बिलासपुर-भानुपल्ली रेल लाइन का मुद्दा एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुल मिलाकर बजट में हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है।

विनय कुमार ने प्रदेश से चुने गए भाजपा सांसदों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सांसद अनुराग ठाकुर का रवैया ऐसा प्रतीत होता है जैसे उन्होंने न तो बजट को ठीक से सुना और न ही पढ़ा। उन्होंने कहा कि हिमाचल के लिए पिछला दिन काला दिन था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश को 1500 करोड़ रुपये की आपदा राहत तक नहीं दी गई और यह बजट केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जिसमें किसी भी वर्ग को न तो खास लाभ मिला है और न ही कोई राहत।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस इस अन्याय को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में प्रस्ताव लाया जाएगा और भाजपा नेताओं से भी मांग की जाएगी कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हिमाचल के हितों को केंद्र सरकार के सामने मजबूती से रखें।

कांगड़ा में अंतर राज्य स्तरीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, कांगड़ा द्वारा पांच दिवसीय अंतर-राज्य युवा आदानझप्रदान कार्यक्रम का आयोजन 2 फरवरी से 6 फरवरी तक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्र छेब, कांगड़ा में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों से आए 35 युवा प्रतिभागी एवं 2 अनुरक्षक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान इन युवाओं को हिमाचल प्रदेश की रीति-रिवाजों, संस्कृति, परंपराओं एवं स्थानीय खानझपान से परिचित कराया जाएगा। साथ ही प्रतिभागियों को जिला कांगड़ा के प्रमुख पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षिक एवं अनुभवात्मक भ्रमण भी करवाया जाएगा।

युवा प्रतिभागियों को कक्षा प्रशिक्षण (क्लासरूम ट्रेनिंग) के माध्यम से साइबर सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, स्वरोजगार एवं कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा जानकारी प्रदान की जाएगी।

इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से 37 युवा प्रतिभागी आगामी 9 फरवरी से राजस्थान राज्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन आज जिला लोक संपर्क अधिकारी विनय शर्मा, पीएनबी आरसेटी धर्मशाला के निदेशक मदन लाल तथा आरएचएफडब्ल्यूटीसी, छेब के प्रधानाचार्य राजीव कुमार गर्ग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस मौके पर विनय शर्मा ने मध्यकाल से ही कांगड़ा और राजस्थान के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सांस्कृतिक संबंध रहे हैं, जिन्हें ऐसे कार्यक्रम और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

मदन लाल ने कौशल विकास और रोजगार सृजन पर बल देते हुए युवाओं से नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में श्याम नगर की वैष्णवी डोगरा तथा शाहपुर, कांगड़ा के नितिन शर्मा, जिन्होंने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया, विशेष रूप से राजस्थान से आए युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपस्थित रहे।

सीमावर्ती समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

टाइगर डिवीजन ने सीमावर्ती समुदायों की सेवा की भूरे चक में बॉर्डरलेस फाउंडेशन एनजीओ और नागरिक प्रशासन की सक्रिय भागीदारी के साथ टाइगर डिवीजन द्वारा भूरे चक स्टेडियम में एक चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसे मकवाल, सोहंजना, मंडल और मरह के सीमावर्ती गांवों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

इस शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था जिससे लोगों और पशुओं दोनों को एक ही छत के नीचे लाभ मिल सके और सामुदायिक कल्याण के प्रति समग्र दृष्टिकोण प्रदर्शित हो सके। अनुभवी डॉक्टरों, पशु चिकित्सा अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करते हुए निःशुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श, दवाएँ और निवारक स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्रदान की।

इस शिविर में विधायक सुरिंदर भगत और चेनाब ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर कुमार आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने लाभार्थियों, चिकित्सा पेशेवरों और स्वयंसेवकों से बातचीत की। गणमान्य व्यक्तियों ने इतने बड़े पैमाने पर और प्रभावशाली पहल के आयोजन के लिए टाइगर डिवीजन, बॉर्डरलेस फाउंडेशन एनजीओ और नागरिक अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समग्र स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने और बीमारियों की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित चिकित्सा और पशु चिकित्सा शिविरों के महत्व पर जोर दिया विशेष रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में।

16वें वित्त आयोग से हिमाचल को सालाना 10 हजार करोड़ का नुकसानः मुकेश अग्निहोत्री

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने केंद्र सरकार के बजट और 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि इन फैसलों से हिमाचल प्रदेश को हर वर्ष लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का सीधा वित्तीय नुकसान होगा। उनके मुताबिक यह प्रदेश की आर्थिक सेहत को कमजोर करने वाला दीर्घकालिक संकट है।

उप-मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि जीएसटी व्यवस्था पहले ही हिमाचल जैसे पर्वतीय और सीमित संसाधनों वाले राज्यों के लिए नुकसानदेह साबित हुई है। जीएसटी क्षतिपूर्ति समाप्त होने से प्रदेश को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा और अब राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को समाप्त कर केंद्र सरकार ने दूसरा गंभीर आघात दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह फैसला हिमाचल के हितों के खिलाफ है।

मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश का कुल बजट करीब 58 हजार करोड़ रुपये का है, जिसमें से बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन और अन्य अनिवार्य खर्चों में चला जाता है। ऐसे में केंद्रीय सहायता में कटौती का सीधा असर विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं पर पड़ना तय है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में हिमाचल को लगभग 38 हजार करोड़ रुपये आरडीजी के रूप में मिले थे और मौजूदा हालात को देखते हुए यह उम्मीद थी कि यह राशि बढ़ेगी, लेकिन इसके उलट इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का गठन ही विशेष भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित आर्थिक संसाधनों को ध्यान में रखकर किया गया था। उस समय यह राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया था कि केंद्र सरकार प्रदेश को विशेष वित्तीय सहायता देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र पर निर्भरता कमजोरी नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है और 1952 से लेकर अब तक इस परंपरा का पालन होता रहा है। राजस्व घाटा अनुदान उसी परंपरा का एक महत्वपूर्ण आधार था।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरडीजी को समाप्त करना न केवल हिमाचल के साथ नीतिगत अन्याय है बल्कि यह संघीय ढांचे की भावना के भी खिलाफ है। बड़े राज्यों के पास अपने संसाधन हैं, जबकि इस फैसले से हिमाचल जैसे पर्वतीय और विशेष परिस्थितियों वाले राज्यों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

यूजीसी के प्रस्तावित कानून के विरोध में स्वर्ण समाज ने जताया विरोध, निकाली रैली

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

यूजीसी द्वारा प्रस्तावित जनविरोधी कानून के खिलाफ स्वर्ण समाज के लोगों द्वारा सोमवार को धर्मशाला में शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया गया। ठाकुर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में निकाली गई रैली में जिला भर से स्वर्ण समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। इसके बाद अतिरिक्त उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा गया। रैली का मार्गदर्शन राजपूत कल्याण सभा के प्रदेश अध्यक्ष के.एस. चम्बियाल, वरिष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष एस.के. सरियाल तथा मुख्य सलाहकार टेक चन्द राणा द्वारा किया गया।

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पंहुचे सभी जिला अध्यक्षों एवं महासचिवों ने भी रैली में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर कांगड़ा ज़िले के विभिन्न क्षेत्रों से स्वर्ण/राजपूत समाज के जागरूक नागरिकों, छात्रों एवं शिक्षकों की अभूतपूर्व सहभागिता रही। सभा के अध्यक्ष ने कहा कि यह उपस्थिति इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब शिक्षा, स्वाभिमान और भविष्य पर प्रहार होता है, तो क्षत्रिय समाज चुप नहीं बैठता, बल्कि संगठित होकर संघर्ष के मैदान में उतरता है। उन्होंने कहा कि आज इस तानाशाही प्रवृत्ति वाले कानून के विरोध में छात्र, शिक्षक और आम नागरिक एक स्वर में सड़कों पर उतरे। रैली के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि शिक्षा से जुड़े निर्णय जनता की भागीदारी के बिना स्वीकार्य नहीं हैं।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी का यह प्रस्तावित कानून शिक्षा व्यवस्था को अत्यधिक केंद्रीकृत कर शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता समाप्त करने का षड्यंत्र है। यह कानून न केवल शिक्षकों के अधिकारों पर कुठाराघात है, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है।

वक्ताओं ने कहा कि ह्लक्षत्रिय समाज अन्याय सहना नहीं जानता और शिक्षा पर होने वाले किसी भी अन्याय को कभी स्वीकार नहीं करेगा ह्ल प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां एवं बैनर लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। ह्लकानून वापस लोह्ल,

ह्लशिक्षा के साथ खिलवाड़ बंद करोह्ल जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

रैली के माध्यम से सरकार एवं संबंधित संस्थाओं से स्पष्ट मांग की गई कि इस कानून पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए तथा सभी हितधारकों से खुला, पारदर्शी और सम्मानजनक संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस काले कानून को तत्काल वापस लिया जाए।

शाहपुर में लगेगा 500 किलोवाट सोलर प्लांट : केवल सिंह पठानिया

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत परगोड़ पंचायत के गुब्बर गांव में 500 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सोलर प्लांट हेतु चिह्नित स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत दी। केवल सिंह पठानिया ने बताया कि इस सोलर प्लांट के निर्माण पर लगभग 2 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जाएगी। प्लांट से प्रतिवर्ष करीब 8 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होगा, जिसे प्रदेश सरकार 3.45 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुक्खू सरकार हरित ऊर्जा उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है। इसी कड़ी में प्रदेश भर में ऐसे कई सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी सुनिश्चित होगी।

संक्षिप्त-समाचार

झांगर में राष्ट्रीय ध्वज के उच्च स्तंभ का उद्घाटन

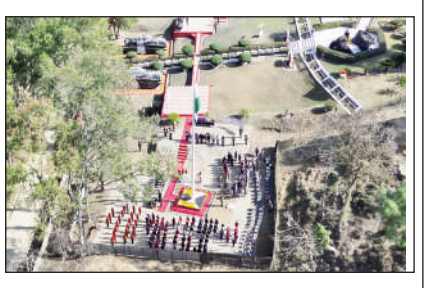

राजौरी। नौशेरा दिवस समारोह 2026 की तैयारियों का प्रतीक एक भव्य समारोह में नौशेरा ब्रिगेड के कमांडर ने नौशेरा दिवस समारोह 2026 की तैयारियों के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक उस्मान स्मारक झांगर में राष्ट्रीय ध्वज के उच्च स्तंभ का उद्घाटन किया। वीरता, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक यह विशाल तिरंगा क्षेत्र में प्रमुखता से खड़ा है जो नागरिकों को उन बहादुर सैनिकों के शौर्य और सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने अटूट साहस के साथ इस क्षेत्र की रक्षा की। इस अवसर पर एक सैन्य समारोह आयोजित किया गया और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों को प्रेरित करने के लिए, झांगर, शेर, मकरी, नाम्ब और कराली के स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला, पोस्टर निर्माण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों ने अपनी रचनात्मक कृतियों के माध्यम से सशस्त्र बलों के प्रति अपनी प्रशंसा और राष्ट्र के नायकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया अतीत को भावी पीढ़ी की आकांक्षाओं से जोड़ा। कार्यक्रम का समापन तिरंगे को सामूहिक सलामी और एकता, सेवा और राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

धर्मशाला के गुरुद्वारा रोड बाजार में आगजनी की घटना, एक दुकान जलकर खाक

धर्मशाला। जिला मुख्यालय धर्मशाला के गुरूद्वारा रोड़ पर सोमवार सुबह एक दुकान में अचानक आग लग गई। गनीमत ये रही कि एक स्थानीय व्यक्ति ने दुकान में लगी आग को देख लिया वरना इससे पूरी मार्केट तथा साथ में खड़े वाहनों को नुक्सान हो सकता था। जानकारी के अनुसार सोमवार तड़के करीब 4.45 बजे स्थानीय युवती सिमरन की गुरूद्वारा रोड़ स्थित दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। दुकान में आग तेजी से भड़की जिससे दुकान को काफी नुक्सान पहुंचा है। आग लगने की भनक लगते ही स्थानीय लोग पहुंचे तथा फायर बिग्रेड की टीम को सूचित किया। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। हालांकि आग लगने की इस घटना में दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल गया। वहीं आग से साथ लगती मार्केट को जलने से बचा लिया गया। मामले की पुष्टि करते हुए स्टेशन फायर ऑफिसर अशोक राणा ने बताया कि फायर स्टेशन में सुबह करीब पौने पांच बजे गुरूद्वारा रोड़-कोतवाली में एक दुकान में आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर टीम ने आग को काबू किया तथा आग के बढ़ने से होने वाले नुक्सान को बचाया। वहीं दुकान को हुए नुक्सान का आरंभिक रूप से करीब पांच लाख रूपए के नुक्सान का आकलन किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने अध्यक्षों के पैनल की घोषणा की

जम्मू। जम्मू- कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज से शुरू हुए विधानसभा के बजट सत्र के लिए तीन विधायकों को अध्यक्षों के पैनल के रूप में नामित किया। उन्होंने ईदगाह के विधायक मुबारक गुल, सांबा के विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया और बांदीपोरा के विधायक निजामुद्दीन भट को मनोनीत किया। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्षों का यह पैनल सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करेगा।

रामकोट में सीमा पार से आए संदिग्ध गुब्बारे से हड़कंप, पुलिस ने जांच शुरू की

जम्मू/रामकोट। जिला कठुआ की रामकोट तहसील में उस समय सनसनी फैल गई, जब गवर्नमेंट हाई स्कूल लोअर राजवाल्ता के पास एक संदिग्ध गुब्बारा मिला। एक अध्यापक की नजर गुब्बारे पर पड़ते ही इसकी सूचना प्रशासन को दी गई, जिसके बाद पुलिस और संबंधित एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार यह गुब्बारा सीमा पार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की ओर से भेजा गया हो सकता है। इससे पहले भी सीमावर्ती क्षेत्रों में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें गुब्बारों या ड्रोन के जरिये आपत्तिजनक संदेशए फोन नंबर और भड़काऊ सामग्री भेजने की घटनाएं हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से भारत में मौजूद ओवर ग्राउंड वर्करों तक संदेश पहुंचाने या स्थानीय सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जाता रहा है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां लगातार सतर्क हैं और ऐसे हर प्रयास को नाकाम कर रही हैं। फिलहाल रामकोट पुलिस ने संदिग्ध गुब्बारे को जब्त कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गुब्बारा कहां से आया और इसके पीछे किसी शरारती तत्व की भूमिका है या नहीं। पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

दावा

नई योजना के लिए केंद्र सरकार ने 95,692.31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया

सुक्खू सरकार केंद्र पर दोषारोपण छोड़ें, राज्य की वित्तीय हालत सुधारें : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सोमवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि अपनी प्रशासनिक और वित्तीय नाकामियों का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ने के बजाय उन्हें राज्य की बिगड़ती आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान दी गई झूठी गारंटियों को पूरा करना केंद्र का दायित्व नहीं है।

जयराम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक ह्यविकसित भारतह्ल के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे देश के लिए समान और दूरदर्शी नीतियां बना रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय बजट 2026-27 में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि मनरेगा के स्थान पर अब एक नई व्यापक योजना ह्यविबीः जी राम जीह्ल (विकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशनझग्रामीण) लागू की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नई योजना के लिए केंद्र सरकार ने 95,692.31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जबकि मनरेगा के लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए 30,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट रखा गया है। दोनों योजनाओं का संयुक्त बजट सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो अब तक का ऐतिहासिक आवंटन है। इसके बावजूद कांग्रेस नेताओं द्वारा मनरेगा बंद किए जाने का भ्रम फैलाया जा रहा है।

जयराम ठाकुर ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के तहत लगभग 1.72 लाख कार्य लंबित हैं और 655 पंचायतों में लोगों को एक दिन का भी रोजगार नहीं मिल पाया। राज्य सरकार की ओर से अगस्त माह से मजदूरों को उनकी दिहाड़ी तक नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि ह्यविबीः जी राम जीह्ल केवल मजदूरी योजना नहीं, बल्कि एक मिशन है, जिसमें ग्रामीण परिवारों को 100 के बजाय 125 दिनों का रोजगार मिलेगा और भुगतान की अवधि 15 दिन से घटाकर 7 दिन कर दी गई है। साथ ही केंद्र सरकार सामान्य राज्यों से 40 प्रतिशत और हिमाचल जैसे हिमालयी राज्यों से मात्र 10 प्रतिशत हिस्सेदारी ही लेगी।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि हिमाचल में केंद्र की लगभग 191 योजनाएं चल रही हैं, जिनमें राज्य को केवल 10 प्रतिशत योगदान देना है, लेकिन कुप्रबंधन और राजनीतिक कारणों से सुक्खू सरकार यह न्यूनतम हिस्सेदारी भी समय पर नहीं दे पा रही, जिसका सीधा नुकसान प्रदेश की जनता को उठाना पड़ रहा है।

नमामि गंगे परियोजना हिमाचल के लिए बड़ी सौगात, पांवटा साहिब में बनेगा भव्य और आधुनिक यमुना घाट : सांसद सुरेश कश्यप

नाहन। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नमामि गंगे परियोजना हिमाचल प्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात साबित हो रही है। उत्तराखंड के हरिद्वार की तर्ज पर अब हिमाचल के धार्मिक नगर पांवटा साहिब में पहली बार एक भव्य, सुंदर और आधुनिक यमुना घाट एवं स्वैग धाम (स्नान घाट) का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना पर लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत आएगी और कार्य प्रगति पर है। यह जानकारी सांसद सुरेश कश्यप ने पांवटा साहिब में दी। उन्होंने बताया कि यमुना घाट पर हाईटेक सुविधाओं से युक्त स्नान घाट का निर्माण किया जा रहा है, जो न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि इसकी सुंदरता पूरे हिमाचल प्रदेश को एक नई पहचान देगी। सांसद ने कहा कि हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की गोद में बसे ऐतिहासिक धार्मिक स्थल पांवटा साहिब में स्थित विश्वविख्यात गुरुद्वारे के समीप यमुना घाट की सुंदरता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने यह बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने बताया कि गुरु की नगरी पांवटा साहिब में प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन यमुना घाट पर लंबे समय से सुविधाओं का अभाव बना हुआ था। इसी आवश्यकता को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा यह परियोजना स्वीकृत की गई, जिससे श्रद्धालुओं को स्नान, पूजा और अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए आधुनिक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। सुरेश कश्यप ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह घाट अत्यंत सुंदर स्वरूप में तैयार होगा और यह न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधा का केंद्र बनेगा, बल्कि पर्यटन को भी नई गति प्रदान करेगा।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

पंडित जसराज भारतीय शास्त्रीय संगीत के स्वर-सूर्य: नायब सिंह सैनी

पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती पर गांव पीली मंदौरी में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित जसराज जी भारतीय शास्त्रीय संगीत के ऐसे ह्लस्वर-सूर्यह्व थे, जिनकी आभा ने न केवल देश बल्कि पूरे विश्व को आलोकित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री सोमवार को पद्म विभूषण, पद्मश्री एवं संगीत मार्तण्ड पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती के अवसर पर जिला फतेहाबाद के गांव पीली मंदौरी में संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर पंडित जसराज जी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा शहीद स्मारक पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस समारोह में आने से पहले आज सुबह उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से हुई है और उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने हरियाणा वासियों को राम-राम भेजी है और पंडित जसराज जी को श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस पावन मंच से पंडित जसराज जी जैसी महान विभूति को नमन करते हैं और उस पुण्य भूमि तथा उस पावन कोख को भी प्रणाम करते हैं, जिसने संसार को ऐसा अनमोल रत्न प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि पंडित जसराज जी की जयंती के साथ-साथ आज पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की चौथी वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। इस फाउंडेशन की नींव वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई थी। यह संस्था पंडित जसराज जी की शास्त्रीय संगीत विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रशंसनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने मधुरा जसराज, दुर्गा जसराज तथा फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों के समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी केवल एक महान कलाकार नहीं थे, बल्कि स्वयं में एक जीवंत संस्था थे। वर्ष 1930 में इसी गांव पीली मंदौरी के एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मे पंडित जसराज जी ने अल्पायु में ही पिता का साया खो दिया, किंतु विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी साधना को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। अपने बड़े भाई पंडित मणिराम जी के सानिध्य में उन्होंने कठोर तपस्या की, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी ने गांव पीली मंदौरी की मिट्टी की सुगंध को अपनी साधना और स्वर-तपस्या के माध्यम से सात समंदर पार तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की साधना का ही परिणाम था कि हरियाणा के खेत-खलिहानों में जन्मे सुर अंटार्कटिका की बर्फीली ठंड तक भारतीय संगीत की ऊष्मा पहुंचाने में सफल रहे। वे सातों महाद्वीपों में अपनी गायकी का परचम लहराने वाले पहले भारतीय कलाकार बने, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां सरस्वती पंडित जसराज जी के कंठ में विराजमान थीं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और आजीवन साधना के बल पर उन्होंने

अपना संपूर्ण जीवन भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित कर दिया। विश्वभर में उन्होंने भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा का प्रचार-प्रसार किया और अपने अतुलनीय योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती स्वयं संगीत से ओत-प्रोत है। यहां किसान के पसीने, लोक मेलों की रौनक और युवाओं के कदमों में स्वाभाविक लय देखने को मिलती है। फाग, धमाल और राग-रागनियों की समृद्ध परंपरा आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी जैसे तपस्वी कलाकारों के प्रभाव से ही प्रदेश में आसावरी, धनासरी, बिलावल और भैरवी जैसे रागों के नाम पर गांवों के नामकरण हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी समाज अपनी संस्कृति को भुलाकर प्रगति नहीं कर सकता। इसी सोच के साथ राज्य सरकार द्वारा पंडित लखमी चंद जी की स्मृति में विश्वविद्यालय की स्थापना, कुरुक्षेत्र में मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए सरकार द्वारा अनेक कार्य किए गए हैं। 28 जनवरी, 2023 को की गई घोषणाओं के अनुरूप गांव पीली मंदौरी में उनके नाम पर दो भव्य प्रवेश द्वार, पार्क एवं व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। उनके पिता स्वर्गीय श्री मोती राम जी के नाम पर पुस्तकालय का निर्माण अंतिम चरण में है तथा गांव के तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आज कला, संस्कृति और साहित्य सृजन के लिए अनुकूल वातावरण है। कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। रोहतक स्थित पंडित लखमी चंद राजकीय प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र के मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर में नवोदित कलाकारों को निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा और साम्प्रदायिक सद्भाव है। यह सांझी विरासत सह-अस्तित्व और भाईचारे का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि संगीत और स्वर अमर हैं। पंडित जसराज जी भले ही आज हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित न हों, लेकिन जब तक सृष्टि में ह्लओमह्व का नाद गूंजता रहेगा, उनके सुर सदैव जीवित रहेंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्री दुड़ाराम ने कहा कि पंडित जसराज जी इस क्षेत्र का गौरव हैं। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया। राज्य सरकार द्वारा ऐसे राज्य स्तरीय आयोजनों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनहितकारी मांगें रखीं। क्षेत्र की सेमग्रस्त भूमि की समस्या के स्थायी समाधान करने, हिसार- घग्गर ड्रेन को मजबूत करने, भट्टू उप तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा देने तथा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में खेत-खलिहानों तक पहुंच के लिए रास्तों के निर्माण कराने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। उन्होंने पंडित जसराज जी की जयंती फतेहाबाद जिले में मनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

पंडित जसराज जी की पुत्री एवं पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की संस्थापक ट्रस्टी सुश्री दुर्गा जसराज ने मुख्यमंत्री, राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फाउंडेशन के माध्यम से उनके पिता की संगीत साधना और विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

समारोह के दौरान सुप्रसिद्ध भजन एवं शास्त्रीय गायक पद्मश्री अनूप जलोटा ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी मधुर गायकी पर कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा और श्रोताओं ने देर तक उनकी प्रस्तुति का आनंद लिया।

सूरजकुंड का मेला ना देख्या तो क्या देख्या गीतों पर झूमे दर्शक

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के फरीदाबाद स्थित सूरजकुंड में आयोजित 39वें इंटरनेशनल आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल में सोमवार को मुख्य चौपाल पर हरियाणा के प्रसिद्ध लोक गायक आजाद मंडोरी ने अपनी सुमधुर हरियाणवी प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। लोक संगीत के रंग में रंगी मुख्य चौपाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी।

लोक गायक आजाद मंडोरी ने सूरजकुंड मेले पर आधारित थीम सॉन्ग ह्लसूरजकुंड का मेला ना देख्या तो के देख्याह्व की प्रस्तुति दी। जैसे ही गीत के बोल गूंजे, दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकार का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक शानदार गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम के दौरान जब आजाद मंडोरी ने ह्लपर्यटन को पंख म्हारी नायब सरकार लगारी सैह्व गीत की शुरूआत की, तो पूरे पंडाल में उत्साह का माहौल बन गया। दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं और हरियाणवी लोक संस्कृति से जुड़े गीतों पर झूमते नजर आए।

लोकगायक ने अपने गीतों के माध्यम से यह संदेश दिया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पर्यटन, कला और संस्कृति को निरंतर बढ़ावा दे रही है। उन्होंने सूरजकुंड मेले के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए थीम सॉन्ग के लिए हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा का आभार भी व्यक्त किया।

उन्होंने अपने संबोधन और गीतों के जरिए शिल्पकारों को इस मेले का असली नायक बताते हुए कहा कि सूरजकुंड मेला शिल्पकारों की मेहनत और हुनर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का सशक्त मंच है। यहां आने वाले पर्यटकों को हर स्टॉल पर शिल्पकारों की लगन और कला की झलक साफ दिखाई देती है।

हरियाणा लोक भवन में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वॉलिंटियर्स को किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज उन बेहतरीन नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट्स और नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) वॉलिंटियर्स को हार्दिक बधाई दी, जिन्होंने 26 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में राज्य का प्रतिनिधित्व किया था।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रम में उनकी भागीदारी सिर्फ. एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि यह देश की युवा शक्ति, अनुशासन और सेवा भावना का एक शक्तिशाली प्रतीक था। इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती मित्रा घोष भी मौजूद थीं।

यहां लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल प्रो. घोष ने गणतंत्र दिवस परेड को भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय संकल्प की सर्वोच्च अभिव्यक्ति बताया।

उन्होंने कहा कि परेड के लिए चयन हेतु असाधारण समर्पण, कठोर प्रशिक्षण और अनुकरणीय प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। उन्होंने कैडेट्स और वॉलिंटियर्स को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा, ह्यह्यआप में से हर एक ने हरियाणा का सम्मान बढ़ाया है और भारत के राष्ट्रीय गौरव में योगदान दिया है।ह्यह्य

राज्यपाल प्रो. घोष ने अनुशासित, आत्मविश्वावासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में एनसीसी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह संगठन युवाओं में नेतृत्व के गुण, साहस और देशभक्ति की गहरी भावना पैदा करता है, उन्हें न केवल जरूरत के समय देश की सेवा करने के लिए तैयार करता है, बल्कि शांति और प्रगति के समय भी उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने के लिए तैयार करता है।

राज्यपाल ने नेशनल सर्विस स्कीम के वॉलिंटियर्स के निःस्वार्थ योगदान की भी सराहना की, और कहा कि उनका काम सामाजिक जिम्मेदारी की सच्ची भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक जुड़ाव, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण की पहलों के माध्यम से, एनएसएस वॉलिंटियर्स समाज के नैतिक और सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा, आपका काम हमें याद दिलाता है कि सच्चा राष्ट्र निर्माण साथी नागरिकों की सेवा से शुरू होता है।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में राज्यपाल के सचिव श्री डीके बेहेरा, ब्रिगेडियर राजीव कपूर, एसएम ब्रिगेडियर हरदीप सिंह बर्न, ब्रिगेडियर रोहित सहगल, ग्रुप कैप्टन इकबाल सिंह जोहल, लेफ्टिनेंट कर्नल दिवाकर वशिष्ठ, उच्च शिक्षा के महानिदेशक श्री एस नारायणन, लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव शर्मा, कर्नल नितेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, संयुक्त निदेशक, एनसीसी, उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा, डॉ. दिनेश कुमार जी, राज्य एनएसएस अधिकारी, उच्च शिक्षा हरियाणा और एनसीसी कैडेट और एनएसएस स्वयंसेवकों के माता-पिता शामिल थे।

संक्षिप्त-समाचार

नरेला में फ्लैट आवंटन हेतु डीडीए ने मांगे आवेदन

चंडीगढ़। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए अपनी ह्यकर्मयोगी आवास योजनाझ्र2025ह्न के अंतर्गत रेडी-टू-मूव आवासीय फ्लैटों के आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।इस संबंध में डीडीए से आधिकारिक पत्र प्राप्त होने के उपरांत, हरियाणा के मुख्य सचिव कार्यालय ने इस योजना की जानकारी राज्य सरकार के कर्मचारियों तक विभागों एवं अधीनस्थ कार्यालयों समेत उपयुक्त आधिकारिक माध्यमों से प्रसारित कर दी है, ताकि पात्र कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर सकें। डीडीए के उपाध्यक्ष श्री एन. सरवन कुमार द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार, इस योजना के तहत पॉकेट-9 (सेक्टर ए-10 से ए-14), नरेला, दिल्ली में स्थित कुल 1,168 रेडी-टू-मूव आवासीय फ्लैटों का आवंटन किया जाएगा। यह पूरा आवासीय पॉकेट विशेष रूप से इसी योजना के आवेदकों के लिए आरक्षित किया गया है। यह योजना केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, स्थानीय निकायों तथा सरकारी विश्वविद्यालयों के सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए बनाई गई है। इन आवासीय इकाइयों में एक बेडरूम, दो बैडरूम तथा तीन बेडरूम वाले फ्लैट शामिल हैं, जिनमें पार्किंग सुविधा, लिफ्ट, विशाल बालकनी, सामुदायिक केंद्र/क्लब हाउस तथा पर्याप्त खुला हरित क्षेत्र उपलब्ध है। फ्लैटों को 25 प्रतिशत तक की रियायती दरों पर पेश किया जा रहा है। डीडीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिल्ली अथवा दूसरी जगह संपत्ति के स्वामित्व पर कोई प्रतिबंध नहीं है तथा पात्र आवेदक योजना की शर्तों के अनुसार एक या अधिक फ्लैटों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह आवासीय परिसर एक सुव्यवस्थित शहरी क्षेत्र का हिस्सा है। वर्तमान एवं प्रस्तावित आधारभूत ढांचा परियोजनाओं से भी इसे लाभ मिलने की संभावना है। इनमें मेट्रो फेजझ्र4 के अंतर्गत कनेक्टिविटी, बेहतर सड़क नेटवर्क, प्रस्तावित एजुकेशन सिटी की निकटता तथा राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख शहरी सड़कों से संपर्क शामिल है। प्राधिकरण के मुताबिक अच्छी कनेक्टिविटी के चलते यह स्थान दीर्घकालिक आवासीय निवेश के लिए उपयुक्त है। योजना की समय-सीमा के अनुसार, 'कर्मयोगी आवास योजना' के लिए पंजीकरण 19 दिसंबर, 2025 से प्रारंभ हो चुका है, जबकि बुकिंग 14 जनवरी, 2026 से शुरू हुई है। यह योजना 31 मार्च, 2026 तक खुली रहेगी। आवेदन डीडीए के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किए जा सकते हैं, जहां पात्रता शर्तों, लेआउट प्लान तथा श्रेणीवार मूल्य से संबंधित विस्तृत जानकारी आधिकारिक ब्रोशर में उपलब्ध है। इकाईवार उपलब्धता एवं साइट विज़िट से संबंधित अतिरिक्त जानकारी डीडीए की वेबसाइट अथवा हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। विशेष रूप से नरेला क्षेत्र में प्रस्तावित तीव्र शहरी एवं आधारभूत ढांचा विकास को देखते हुए, यह योजना सरकारी कर्मचारियों के लिए किफायती और सुरक्षित आवास विकल्प के रूप में प्रस्तुत की जा रही है।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 20 फरवरी से

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विधानसभा के आगामी बजट सत्र को 20 फरवरी से शुरू करने पर सहमति बनी है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूलों में वार्षिक खेल दिवस आवश्यक है : रूबी गुप्ता

चंडीगढ़। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूलों में वार्षिक खेल दिवस आवश्यक है, जो शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देता है, साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाता है और तनाव कम करता है। ये कहना था वौइस ऑफ वूमेन की अध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष समाजसेवी रूबी गुप्ता का, जो सहजजोत सीनियर सेकेंडरी स्कूल, धनास में आयोजित वार्षिक खेल दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुई थीं। उनके साथ गुरु तेग बहादुर स्मार्ट स्कूल, खुड्डा लाहौरा की प्रिंसिपल हिमानी शर्मा भी मौजूद रहीं। स्कूल के प्रधानाचार्य दलजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान करके उनका उत्साहवर्धन किया। रूबी गुप्ता ने भाषण में बच्चों को खेल और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

पशु-मेला कुरुक्षेत्र में पशुपालन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाएगी : श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आगामी 6 से 8 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में लगने वाले मेला एवं प्रदर्शनी में पशुपालन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। राज्य सरकार का प्रयास है कि पशुपालक उत्तम नस्लों के पशु रखें तथा वैज्ञानिक विधि से उनका पालन करें ताकि वो कम लागत में अधिक से अधिक आमदनी कर सकें।

श्री राणा ने बताया कि कुरुक्षेत्र में आयोजित की जाने वाली 41वीं राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में उत्कृष्ट नस्लों के लगभग 1500 पशु 53 विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। पशुपालकों के प्रोत्साहन हेतु सर्वश्रेष्ठ पशुओं के मालिकों को लगभग 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस विशाल आयोजन में प्रदेश भर से लगभग 1,00,000 पशुपालक, किसान, पशुपालन व्यवसाय से जुड़े उद्यमी तथा वैज्ञानिक भाग लेंगे। प्रदेश की जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस प्रदर्शनी के लिए प्रतिदिन 200 बसों की निशुल्क व्यवस्था की गई है। ये विशेष बसें प्रदेश के कोने-कोने से प्रदर्शनी देखने के इच्छुक पशुपालकों तथा दर्शकों को इस मेले में लेकर आएंगी तथा वापस उनके गाँव/शहर में छोड़ कर आएंगी। प्रदर्शनी देखने आने वाले पशुपालकों, किसानों के लिए भोजन की मुफ्त व्यवस्था की गई है।

पशुपालन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा ताकि प्रदेश के लोग इसका लाभ उठा सकें। निजी क्षेत्र की कंपनियां भी पशुपालन से संबंधित अपने उत्पादों व तकनीकों का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में एक अनूठे रैम्प-शो का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें श्रेष्ठ नस्लों के शानदार पशु रैम्प पर चल कर अपनी छटा बिखेरेंगे।प्रवक्ता ने आगे बताया कि इस पशु मेले का शुभारंभ 6 फरवरी को हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री श्याम सिंह राणा करेंगे। मेले के दूसरे दिन 7 फरवरी को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 8 फरवरी को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे तथा इस पशु प्रदर्शनी के विजेता पशुपालकों को सम्मानित करेंगे।

पशु-पक्षियों के संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी: राव नरबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पशु-पक्षियों का आदिकाल से हमारे जीवन में विशेष महत्व रहा है। देवी-देवताओं का भी पशु-पक्षियों से गहरा संबंध रहा है, जो हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। इनके संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

वे आज विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर वन मंत्री ने 2 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रदेश में आयोजित होने वाले प्रथम हरियाणा पक्षी उत्सव-2026 के पोस्टर का विमोचन किया तथा उत्सव के दौरान होने वाली विभिन्न गतिविधियों के कैलेंडर का लोकार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

राव नरबीर सिंह ने कार्यक्रम के शीर्ष वाक्य ह्लआर्द्रभूमियां और पारंपरिक ज्ञान-प्रकृति एवं संस्कृति का उत्सवह्व की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा में सुल्तानपुर (गुरुग्राम) और भिंडावास (झज्जर) दो प्रमुख वेटलैंड हैं, जहां हर वर्ष हजारों प्रवासी पक्षी विभिन्न देशों से आते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान कुछ प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थीं, लेकिन सरकार का प्रयास है कि वेटलैंड्स पर आने वाले पक्षियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, ताकि हर वर्ष अधिक संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आएं।

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के बसई, चंदू तथा आसपास के तीन-चार गांवों में हजारों एकड़ भूमि पर जलभराव रहता है। इनमें से 200-300 एकड़ क्षेत्र में झील विकसित कर उसे पर्यटन स्थल के रूप में बदला जा सकता है, जिससे दिल्ली-एनसीआर के लोग भ्रमण के लिए आ सकेंगे और क्षेत्र को पॉलिथीन व प्लास्टिक से भी निजात मिलेगी।

वन मंत्री ने कहा कि हरियाणा में सिंगल-यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के निर्माण पर वर्ष 2013 से प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद इनका प्रयोग हो रहा है। इस कानून की सफलता जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने लोगों से सिंगल-यूज प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग न करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि पॉलिथीन जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो वातावरण को प्रदूषित करती हैं, जबकि जमीन में दबाने पर इसे गलने में लगभग 450 वर्ष लग जाते हैं। साथ ही यह शहरों की सीवरेज लाइनों की जल निकासी को भी प्रभावित करती है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य पॉलिथीन-मुक्त हरियाणा बनाना है, जिसके लिए जन-सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 40 प्रतिशत प्रदूषण पॉलिथीन के प्रयोग से होता है।

ई-नीलामी से जुड़े प्रकरण में राइट टू सर्विस कमीशन ने एचएसवीपी को दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने फरीदाबाद से संबंधित एक ई-नीलामी प्रकरण में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। यह मामला सेक्टर-89, फरीदाबाद में स्थित एक प्लॉट से संबंधित है।

आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि ई-नीलामी के माध्यम से प्लॉट आवंटन से पूर्व संबंधित स्थल पर विकास कार्यों का पूर्ण होना आवश्यक है, ताकि आवंटी बिना किसी असुविधा के निर्माण कार्य कर सकें। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह एक निहित शर्त है कि विकास कार्य पूरे किए बिना किसी भी प्लॉट को ई-नीलामी में नहीं डाला जाना चाहिए।

आयोग के संज्ञान में आया कि 11 अक्टूबर, 2023 को एचएसवीपी द्वारा आवंटन पत्र जारी करते हुए प्लॉट का कब्जा भी ऑफर कर दिया गया, जबकि मौके पर विकास कार्य पूर्ण नहीं थे। इसके साथ ही, आवंटन पत्र की शर्तों के अनुसार 30 दिनों के भीतर कब्जा न दिए जाने की स्थिति में देय ब्याज का भुगतान भी लंबे समय तक नहीं किया गया।

आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग ने एस्टेट ऑफिसरझ्रक्क्र, फरीदाबाद को निर्देश दिए हैं कि संबंधित आवंटी को देय विलंब ब्याज का भुगतान किया जाए तथा कब्जा तिथि से संबंधित आवश्यक औपचारिक संशोधन करते हुए उपयुक्त पत्र जारी किया जाए। इसके साथ ही निर्धारित समय-सीमा में आयोग को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा अधिकार सेवा अधिनियम, 2014 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयोग ने संशोधन कर्ता सुश्री उषा कुमार को 5,000 रुपये का मुआवजा प्रदान किया है, जिसका भुगतान एचएसवीपी द्वारा निर्धारित समय-सीमा में किया जाए।

सुमिता मिश्रा ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कामकाज की समीक्षा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज विभाग के कामकाज की समीक्षा की और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने और राज्य के सरकारी अस्पतालों में महिलाओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. मिश्रा ने देश के अलग-अलग हिस्सों के अस्पतालों से हाल ही में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए अस्पताल-सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को अस्पतालों में बिजली की वायरिंग, पावर पैनल और अन्य बिजली के उपकरणों का व्यापक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। आग से संबंधित दुर्घटनाओं को रोकने और मरीजों, उनके साथ आए लोगों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए बिजली प्रणालियों का नियमित सुरक्षा ऑडिट, निवारक जांच और समय पर रखरखाव अनिवार्य किया गया।

डॉ. मिश्रा ने आश्वासन दिया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के नवीनीकरण के लिए आवश्यक धनराशि प्रदान की जाएगी, जिसमें बुनियादी ढांचे, सुरक्षा तंत्र और रोगी देखभाल सुविधाओं को उन्नत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने सरकारी अस्पतालों में बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन प्रणाली की भी समीक्षा की और अधिकारियों को अस्पताल के कचरे के अलगाव, संग्रह और वैज्ञानिक निपटान के लिए निर्धारित मानदंडों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरों को रोकने के लिए नियमित निगरानी, उचित दस्तावेजीकरण और अधिकृत बायोमेडिकल कचरा निपटान एजेंसियों के साथ आपसी समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया, और चेतावनी दी कि कचरा प्रबंधन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रोगी कल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिया कि अस्पताल कल्याण कोष का उपयोग पारदर्शी रूप से और सख्ती से उसके इच्छित उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को फंड के उपयोग के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं (रडढर) तैयार करने और उनका पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उक्त फंड का खर्च से सीधे मरीजों को लाभ पहुंचना चाहिए और सभी अधिकारी अस्पताल के बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं को मजबूत करने में योगदान दे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य नीतियों को महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो मातृत्व और किशोर देखभाल से परे हो।

उन्होंने महिलाओं के लिए समग्र कल्याण और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए सभी उम्र की महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के महत्व को रेखांकित किया, जिसमें निवारक देखभाल, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और उम्र से संबंधित स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, एनीमिया और ऑस्टियोपोरोसिस के लिए स्क्रीनिंग और निवारक देखभाल को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि रजोनिवृत्ति प्रबंधन और परामर्श सेवाओं को महिला स्वास्थ्य देखभाल का अभिन्न अंग बनाया जाए।डॉ. मिश्रा ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया और जागरूकता बढ़ाने, स्वच्छता उत्पादों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्वच्छता प्रथाओं को नियमित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एकीकृत करने का आह्वान किया।

समीक्षा बैठक में डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिया कि शिशु मृत्यु दर को कम करने और उत्तरजीविता परिणामों में सुधार के लिए नवजात गहन देखभाल इकाइयों और नवजात शिशु देखभाल सेवाओं को और मजबूत किया जाना चाहिए।

संपादकीय

मौसम का बड़ा यू-टर्न! 10 राज्यों में बारिश-आंधी का खतरा, तेज हवाओं से बढ़ेगी ठंड

भारतीय मौसम विभाग ने देश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में मौसम के अचानक बदलने की चेतावनी जारी की है, जिसमें 10 राज्यों में भारी बारिश, तेज हवाओं (50 किमी/घंटा तक) और मौसम अस्थिरता का अलर्ट शामिल है। यह अलर्ट प्रशासनिक और आम जनता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन परिस्थितियों से ट्रैफिक, खेती और जन-जीवन प्रभावित हो सकता है। भारतीय मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान और महाराष्ट्र में 2 से 3 फरवरी के दौरान बारिश और हवाओं के तेज चलने की आशंका जताई गई है। इन इलाकों में मौसम अस्थिर रहेगा और कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, गरज-चमक और तूफानी हवाओं का भी जोखिम बना हुआ है। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 2-3 फरवरी को 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और स्नोफॉल (बर्फबारी) के शिकार होने की संभावना है। इन राज्यों के ऊँचे इलाकों में यह मौसम परिवर्तन बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जहाँ सड़कें, यात्रा मार्ग और पर्यटन स्थल प्रभावित रहेंगे। हवाई मार्गों पर भी मौसम की अनिश्चितता के कारण उड़ानों में देरी की संभावना बनी रहती है। चमक-गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश का असर केवल पहाड़ी इलाकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मैदानों में जैसे उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। इन जगहों पर 30से50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिससे तापमान में गिरावट रहेगी और ठंडक में वृद्धि होगी। दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों में मौसम की बदलती स्थिति का असर कोहरे, धुंध और ठंड की स्थिर स्थिति के रूप में दिखाई दे रहा है। कुछ हिस्सों में सुबह-शाम के समय दृश्यता कम रहने की संभावना है, जिससे सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि कोहरा और ठंडी हवाएं वाहन चालकों, यात्रियों और बुजुर्ग नागरिकों के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और इसके साथ जुड़े चक्रवातीय परिसंचरण का परिणाम है, जो उत्तर-पश्चिमी भारत और हिमालयी ढलानों तक सक्रिय है। पश्चिमी विक्षोभ आमतौर पर सर्दियों में उत्तरी भारत में आर्द्रता लाता है, जिससे बादल बनते हैं और बारिश-बर्फबारी का सिलसिला शुरू होता है। यह प्रणाली तापमान में उतार-चढ़ाव और हवाओं के तेज रुख के कारण मौसम को अस्थिर बनाती है। भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि कुछ इलाकों में घनी धुंध की स्थितियाँ भी बन सकती हैं, खासकर पंजाब, हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में, जिससे सुबह-शाम यातायात प्रभावित हो सकता है। धुंध के कारण दृश्यता कम होने से यात्रियों और वाहन चालकों को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि गलत सिग्नल या बूंदाबांदी की हल्की बारिश भी कोहरे के साथ मिलकर दुर्घटना का खतरा बढ़ा सकती है। यह मौसम परिवर्तन कृषि गतिविधियों पर भी फर्क डाल सकता है। हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं गेंहू, सरसों और अन्य फसलों के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं, खासकर जब फसलें पककर तैयार हो रही होती हैं। मौसम विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि वे मौसम के अनुसार फसल संरक्षण उपाय अपनाएं और अपने खेतों के लिए समय पर सतर्कता जारी रखें। शहरी इलाकों में प्रशासन और यातायात पुलिस को भी मौसम की बदलती स्थिति के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों को बढ़ाने की आवश्यकता है। बारिश और हवाओं के साथ कोहरे की स्थिति सड़क यातायात को प्रभावित कर सकती है, इसलिए ट्रैफिक के नियंत्रण और आगाह संदेशों को समय पर जनता तक पहुँचाना आवश्यक होगा। यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे यात्रा से पहले मौसम अपडेट जरूर चेक करें और यात्रा के दौरान सुरक्षित दूरी बनाए रखें। हालांकि इस मौसम प्रणाली का प्रभाव देशभर में समान नहीं होगा, लेकिन उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्सों में ठंडक, बारिश और तेज हवाओं का मिलाजुला असर जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहेगा, लेकिन बदलते मौसम की वजह से जनजीवन, यातायात और खेती पर असर पड़ेगा। भारतीय मौसम विभाग लगातार मौसम अपडेट जारी कर रहा है, जिससे प्रशासन और आम जनता मौसम संबंधी जोखिमों के प्रति सचेत रह सकें। इसलिए 2 फरवरी 2026 को जारी यह मौसम चेतावनी सिर्फ मौसम विभाग का अलर्ट नहीं है, बल्कि यह नागरिकों, प्रशासन और किसानों के लिए एक व्यापक सजगता संदेश भी है, जो बदलते मौसम की चुनौतियों का सामना करने और सुरक्षित निर्णय लेने में मदद करेगा।

कुमाऊं में सांस्कृतिक लोक उत्सव है होली

प्रयाग पाण्डे (हि.स)

हिमालय की गोद में बसा कुमाऊं अंचल न केवल अपने नैसर्गिक सौंदर्य, सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के लिए भी विख्यात है, बल्कि यहां मनाई जाने वाली होली का भी अंदाज निराला है। यही वजह है कि कुमाउंनी होली की विशिष्ट पहचान है। अपना अनोखा रंग है। यहां की होली तन को ही नहीं रंगती, मन को भी उमंग से लबालब भर देती है। कुमाऊं की होली में आंचलिक विशिष्टता है। अनूठा सौंदर्य बोध है। रंग, राग और रागनियों का अदभुत समावेश है। ऋतुराज वसंत को यौवन का सूचक माना जाता है। वसंत ऋतु के आते ही समूची प्रकृति का यौवन एकाएक खिल उठता है। प्रकृति रंग -बिरंगी हो जाती है। विशिष्ट सुगंध और रंग लिए फूल खिलने लगते हैं। देश के अलग - अलग हिस्सों में लोग अपने -अपने अंदाज में वसंतोत्सव के रंग के आगोश में डूब जाते हैं। भारत के कोने -कोने में राग - रंग के उत्सव होली की धूम मच जाती है।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग - अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज जुदा है। स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बनिस्बत कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलहदा है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमने लगती हैं। कुमाऊं की होली के मायने हुड़दंग नहीं है। बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। लोक - मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद -प्रमोद और हँसी - ठिठोली का अदभुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय- वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं। गणेश, शिव, पार्वती की स्तुति, राधा -कृष्ण और राम - सीता द्वारा खेले जाने वाले रंग का वर्णन है। परदेस गए पति की प्रतीक्षा करती नवयौवना की भावनाएं हैं। देवर-भाभी के बीच की हंसी -ठिठोली है। कुमाउंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा -बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती - जुलती हुए भी कुमाउंनी होली कई मायनों में अनोखी है। कुमाउंनी होली में राग - रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है। होली के पदों की सामूहिक अभिव्यक्ति, नृत्य और संगीत कुमाऊं की होली को देश के दूसरे हिस्से की होलियों से अलग करती है।

कुमाऊं में होली के तीन रूप प्रचलित हैं। बैठकी होली, खड़ी होली और महिलाओं की होली। यहां पूस के महीने के पहले इतवार से बैठकी होली शुरू हो जाती है। कुमाउंनी बैठकी होली में ताल और रागों का गहरा ताल्लुक है। बैठकी होली में पूस के पहले रविवार से वसंत पंचमी तक भक्ति परख होलियां गाई जाती हैं। इन्हें 'निर्वाण' की होली कहा जाता है। निर्वाण की होली का प्रारंभ गणेश जी की स्तुति से होता है। ' गण पति को भज ले, रसिक वह आदि कहावे।' इसके बाद शिव,राम,कृष्ण और दूसरे देवी -देवताओं की स्तुति की जाती है- ' भव भंजन गुण गाऊं, मैं अपने राम को रिझाऊं।' या ' शिव सुमरिन जिन जाना, सोई तन ब्रह्म समाना।' होली के गीतों में देवताओं की दार्शनिकता और रहस्यात्मकता का वर्णन अधिक होता है- 'क्या जिंदगी का ठिकाना, फिरत मन क्यों रे भुलाना।' निर्वाण की होलियों में आध्यात्मिकता और धार्मिक भावों की प्रधानता होती है- 'वन को चले दोऊ भाई, उन्हें समझावत नाहिं।'

कुमाउंनी बैठकी होली का भी अपना अनूठा अंदाज है। यह शास्त्रीय आधार के रागों को गाने की एक पारंपरिक शैली है। बैठकी होली में हारमोनियम,तबला, ढोलकी, मजीरा और दूसरे वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल होता है। इस होली की खासियत यह है कि इसमें शास्त्रीय गायन की अनुशासनात्मकता होती है। बैठकी होली में कुछ विशिष्ट और रसिक लोग ही हिस्सा लेते हैं। राग - रागनियों पर आधारित होने बावजूद बैठकी होली का अंदाज प्रकारांतर में सामूहिक गायन जैसा ही होता है। बैठकी होली में राग की शुद्धता से ज्यादा भावाभिव्यक्ति और जन - रंजनता को वरीयता दी जाती है। खास बात यह है कि बैठकी होलियों को गाने वाले ज्यादातर लोग शास्त्रीय संगीत के जानकार नहीं होते हैं। शास्त्रीय संगीत की बुनियादी जानकारी नहीं रखने वाले लोग भी राग - रागनियों पर आधारित होलियां बखूबी गाते हैं। होली गायन की यह शैली श्रवण परंपरा से पीढ़ी -दर- पीढ़ी चलती आ रही है। बैठकी होली राग - रागनियों के आधार पर चार अलग - अलग समयचक्रों में विभाजित है। जैसे रात्रि के प्रथम पहर में कल्याण,यमन -कल्याण,श्याम -कल्याण, केदार, हमीर, विहाग और रात्रि के दूसरे पहर में देश, विहाग, काफी,जंगला काफी, तिलंग, खम्माज, झिझोटी, बागेश्री, शहना बगैरह रागों का गायन किया जाता है। तीसरे पहर राग- सहाना, बहार जैजैवन्ती, कान्हड़ा और रात्रि के चौथे पहर सुबह के वक्त परज, जोगिया, सोहनी और भैरवी गाई जाती है।

सस्ती तकनीक और हर नागरिक तक पहुंचः एआई में आत्मनिर्भर भारत की तैयारी

सुशील पाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज की सबसे ताकतवर और तेजी से बदलने वाली तकनीक में से एक बनती जा रही है। इसमें यह क्षमता है कि यह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे, उत्पादन बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी और पारदर्शी बनाने में भी एआई अहम भूमिका निभा सकती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमारी की शुरूआती पहचान, खेती में सही समय पर सही फैसले लेने, आपदा से पहले चेतावनी देने, मौसम और जलवायु का बेहतर अनुमान लगाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में एआई पहले से ही मदद कर रही है। आने वाले समय में शिक्षा, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ने की संभावना है।

लेकिन जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ, वैसे ही एआई के साथ भी असमानता की तस्वीर सामने आती है। जिनके पास कंप्यूटर की ताकत यानी कंप्यूट, अच्छा डेटा और मजबूत डिजिटल ढांचा है, वही बड़े स्तर पर एआई का लाभ उठा पा रहे हैं। जिनके पास ये सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे रह जाते हैं। यह फर्क आज केवल कंपनियों के बीच ही नहीं, बल्कि देशों और इलाकों के बीच भी साफ दिखाई देता है।

भारत ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में लिया है। इंडिया एआई मिशन के जरिए भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि एआई की ताकत कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे। कंप्यूट, डेटा और एआई मॉडल को डिजिटल सार्वजनिक सुविधा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि स्टार्टअप, शोधकर्ता, छात्र और छोटे संस्थान भी एआई पर काम कर सकें। भारत की सोच साफ है- ऐसा डिजिटल ढांचा बनाया जाए जो खुला हो, आसानी से बढ़ सके और समाज के हर वर्ग के काम आए। इससे एआई का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, देश में ही नवाचार को बढ़ावा मिले और तकनीक के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन सके।

इस सोच के पीछेएक ठोस योजना है। दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच में केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत एआई को पांच स्तरों पर विकसित कर रहा है- बिजली और ऊर्जा, कंप्यूट और इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप और हार्डवेयर, एआई मॉडल और एप्लिकेशन। इन सभी पर एक साथ काम होने से ही एआई का सही और व्यापक उपयोग संभव हो पाएगा।

भारत का तरीका इसलिए अलग है क्योंकि यहां एआई तक पहुंच आसान बनाई गई है। भारत ने एक साझा कंप्यूट प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां 38,000 जीपीयू एक ही पोर्टल पर मिलते हैं। इनका खर्च करीब 65 रुपये प्रति घंटा है, जबकि दूसरे देशों में इसके लिए 2.5 से 3 डॉलर प्रति घंटा तक देने पड़ते हैं। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार एआई मॉडल बनाने के लिए पूरी लागत (100%) तक मदद दे रही है और एआई के इस्तेमाल पर भी 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे पैसे की कमी एआई पर काम करने में रुकावट नहीं बनती। इसी वजह से सरवम एआई, सोकेट एआई और ज्ञानि एआई जैसे भारतीय स्टार्टअप अब बिना बड़ी पूंजी लगाए अपने खुद के एआई और भाषा मॉडल बना पा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़ी विदेशी कंपनियां ही कर पाती थीं।

भारत का लक्ष्य सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि अपना एआई बनाना है। भारत अपना खुद का एआई मॉडल तैयार कर रहा है, जो भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट (16-20 फरवरी 2026) में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह मॉडल भारत के ही डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर ही काम करेगा।

इससे एआई ज्यादा सटीक, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाला बनेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि डेटा सुरक्षित रहे और एआई का इस्तेमाल देश के कानूनों और नागरिकों के अधिकारों के अनुसार हो।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एआई को लेकर केवल जोखिमों की चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह देखा जाएगा कि एआई जमीन पर क्या बदलाव ला रही है। इसमें एआई को सबके लिए उपलब्ध कराने, विकास में इसके उपयोग, पर्यावरण की रक्षा, भरोसेमंद सिस्टम, भारतीय भाषाओं में एआई, ग्लोबल साउथ की भागीदारी और एआई से जुड़ी असमानताओं को कम करने जैसे मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

भारत का यह तरीका उन देशों के लिए भी एक उदाहरण है, जो अभी विकास के रास्ते पर हैं। यह दिखाता है कि खुलेपन और नवाचार के साथ-साथ अपनी तकनीकी स्वतंत्रता कैसे बनाए रखी जा सकती है। भारत अपने एआई मॉडल ओपन-सोर्स के रूप में विकसित कर रहा है, ताकि दूसरे देश भी अपनी जरूरतों के अनुसार इन्हें अपना सकें। मकसद है मिलकर आगे बढ़ना, बिना किसी नई निर्भरता के।

आज जब एआई देश की ताकत और अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुकी है, सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई अपनाया जाए या नहीं, बल्कि यह है कि इसे समझदारी, जिम्मेदारी और टिकाऊ तरीके से कैसे अपनाया जाए।

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज दाम्पत्य जीवन में स्वार्थ की भावना से दूर रहना जरूरी है, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। करियर में कुछ नया प्रयोग करने का मन बनेगा, जो भविष्य में लाभ दे सकता है। दिनचर्या को असंतुलित न होने दें। किसी भी तरह के अनैतिक कार्य से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: व्यवसाय में आय बढ़ने के संकेत हैं। परिवार के सदस्य आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। अपनी इच्छाओं को पूरा करने की दिशा में सक्रिय रहेंगे। आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी, जिससे कार्यों में सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज आत्ममंथन का समय है। कुछ जरूरी कार्य टल सकते हैं, जिससे हल्की निराशा होगी। पुराने मित्रों से बातचीत मन हल्का करेगी। महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। संतान की प्रगति से खुशी मिलेगी, लेकिन उन पर अधिक दबाव डालने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: रुके हुए काम दोबारा शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। जीवनसाथी को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। मन प्रसन्न रहेगा। खानपान में शुद्धता और संतुलन बनाए रखें। आध्यात्मिक विचारों की ओर झुकाव रहेगा। आमदनी खर्च से अधिक रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आत्मसम्मान को लेकर सजग रहेंगे। लंबी यात्रा टालना बेहतर होगा। सर्दी-खांसी या कफ की समस्या परेशान कर सकती है। बिना मांगे सलाह देने से बचें। गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ऑफिस में वरिष्ठों से बहस न करें। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: सरकारी कामकाज में सफलता मिल सकती है। बेरोजगार लोगों को नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। स्थायी संपत्ति मिलने की संभावना है। आप अपने काम पर पूरा ध्यान देंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में लाभ के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कार्यस्थल पर विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सम्मान और समझ बढ़ेगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। नया काम शुरू करने की प्रेरणा मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: व्यापार में बड़ी डील फाइनल हो सकती है। बॉस आपके काम से खुश रहेंगे। आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी। शेयर बाजार में सोच-समझकर किया गया निवेश लाभ दे सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज धन हानि की आशंका है, इसलिए उधार लेन-देन से बचें। छोटी बातों पर तनाव न लें। पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा गर्म या ठंडा भोजन न करें। फोकस बनाए रखना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज के दिन कार्यक्षेत्र में काम आपके अनुसार पूरे होंगे। जीवनशैली बेहतर रहेगी। व्यापार में प्रगति से संतोष मिलेगा। आज के दिन विलासिता पर खर्च बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। खानपान में अनुशासन रखें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज के दिन दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। आज के दिन युवा करियर से जुड़े अहम फैसले ले सकते हैं। आज के दिन सहकर्मियों के सहयोग से धन लाभ संभव है। आत्मनिर्भर रहना फायदेमंद होगा। दूर की यात्रा के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज के दिन नई योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। कानूनी मामलों को लेकर चिंता रहेगी। कॉलेज विद्यार्थियों को नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में चल रहा तनाव दूर होगा। नई स्किल सीखने की प्रेरणा मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

सहजन के फूलों में नवजीवन का उजास

परिचय दास (हि.स)

वसंत की प्रथम आहट के साथ ही सहजन के पेड़ ने अपनी शाखाओं को नवजीवन के उजास से भर लिया। हल्की ठंडी हवा, धूप की धीमी परछाइयां और कोयल की आवाज के बीच सहजन के फूल अपनी नाजुक पंखुड़ियों को खोलने लगे। इन फूलों में एक अलौकिक सादगी थी, जैसे किसी गजल का पहला मिसरा- अनायास, लेकिन भीतर तक स्पंदित कर देने वाला। इन छोटे-छोटे सफेद फूलों की सुगंध में स्मृतियों का एक संसार बसता था। गांव की वह पगडंडी, जहां दुपहरिया की उनींदी हवा में सहजन की डालियां झूलती थीं। उनकी छांव में खेलते बच्चे, दोपहर की थकान से आंखें मूंदकर सुस्ताते किसान और किसी कोने में बैठी कोई स्त्री, जो फूलों को बटोर कर उनकी सब्जी बनाने की सोच रही थी। सहजन का फूल केवल फूल नहीं था, यह किसी विरासत की तरह अगली पीढ़ी को सौंपा जाने वाला एक गीत था-मौन में गाया हुआ लेकिन दिल की गहराइयों तक गूंजता हुआ।

सहजन के फूलों को जब पानी में डुबोया जाता तो वे अपनी कोमलता को त्यागकर पकने के लिए तैयार हो जाते। जैसे जीवन भी तपने पर ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। उनकी हल्की कड़वाहट, उनकी मिट्टी की गंध और उनके भीतर बसी हुई मृदुता एक संपूर्ण कविता थी-जिसे सिर्फ स्वाद से ही नहीं, हृदय से भी समझा जा सकता था। सहजन के फूलों की एक अलग ही दुनिया थी-न धूमधाम, न रंगों का जादू, बस सफेदी में लिपटी हुई एक गहरी अनुभूति। वे उन शब्दों की तरह थे, जो बिना किसी शोर के भी भीतर तक असर कर जाते हैं। उनके गिरने का ढंग भी अनूठा था- धीरे-धीरे, बूंद-बूंद की तरह, मानो समय के हाथों में अपनी अंतिम आहुति दे रहे हों।

जब हवा सहजन के फूलों को स्पर्श करती तो वे एक अनकही भाषा में झूम उठते। यह भाषा किसी एक की नहीं थी, यह उन सभी की थी, जिन्होंने प्रतीक्षा की पीड़ा को समझा था। एक विरहिणी नायिका की तरह ये फूल अपनी डालियों से अलग होकर भी किसी अदृश्य प्रेम के साथ जुड़े रहते थे। सहजन के फूलों में प्रेम था-एक ऐसा प्रेम, जो सब कुछ सहकर भी विनम्र बना रहता है। कभी-कभी, जब संध्या उतरती तो सहजन के फूलों से भरी डालियां चुपचाप अपने अस्तित्व को देखती रहतीं। जैसे किसी बूढ़े साधु की आंखों में ठहरा हुआ संतोष। वे फूल, जो दिनभर हवा के साथ हंसे थे, अब निशब्द खड़े रहते- स्वीकृति और समर्पण के साथ। वे जानते थे कि उनकी यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती, वे मिट्टी में मिलकर फिर से जन्म लेंगे, किसी और शाखा पर, किसी और ऋतु में।

सहजन के फूलों की यही विशेषता थी- वे जीवन के सबसे सरल, सबसे अल्पकालिक, लेकिन सबसे अर्थपूर्ण हिस्से थे। वे बिना बोले हमें सिखा जाते थे कि सौंदर्य केवल भव्यता में नहीं, सादगी में भी होता है। वे हमें यह भी सिखाते थे कि जो गिरने में भी आनंद पा सके, वही सच्चे अर्थों में खिला हुआ है।

जब भी कोई सहजन के फूलों को देखता, उसे अपने भीतर कोई भूला-बिसरा गीत याद आ जाता। कोई पुरानी चिट्ठी, कोई अनकहा वादा, कोई अधूरा सपना। वे फूल नहीं थे, वे स्मृतियों की छोटी-छोटी नावें थीं, जो समय की नदी में बहती रहती थीं - शांत, निश्चल, लेकिन हर किसी तक पहुंचने वाली। कई बार, मैं सहजन के उन फूलों को देखता और सोचता - क्या जीवन भी ऐसा ही नहीं है? क्या हम सब किसी शाखा पर लगे हुए फूल ही तो नहीं, जिन्हें एक दिन जमीन पर गिर जाना है? और अगर गिरना ही नियति है तो क्यों न गिरते समय भी अपनी सुगंध को बचाए रखें? क्यों न इस यात्रा को भी सुंदर बना दें?

शायद यही कारण था कि जब भी सहजन के फूल जमीन पर बिखरते, वे किसी उदासी में नहीं बल्कि एक नृत्य में होते थे। जैसे किसी विदा होती आत्मा की अंतिम प्रार्थना। जैसे किसी प्रेमी की वह चुप्पी, जिसमें कोई शिकायत नहीं, सिर्फ समर्पण होता है।

सहजन के फूल सिर्फ पेड़ पर नहीं खिलते, वे स्मृतियों में भी खिलते हैं। वे बचपन की कच्ची धूप में खिलते हैं, वे मां के हाथों की गर्माहट में खिलते हैं, वे किसी पुरानी धुन में खिलते हैं। वे हवा में बहते हैं, मिट्टी में घुलते हैं और फिर किसी नए वृक्ष की शाख पर उग आते हैं। और इस तरह, सहजन के फूल कभी मरते नहीं। वे हर बार नए स्वरूप में लौटते हैं -उसी सादगी, उसी नमी और उसी अव्यक्त सौंदर्य के साथ। सहजन के फूल चुपचाप खिलते हैं- जैसे किसी कविता की सबसे मृदु पंक्ति जो अर्थों के भार से झुकी हुई नहीं बल्कि हल्की होकर हवा में बहती है। वे किसी भी ऋतु के प्रखर नायक नहीं होते, न वसंत के रंगों में खोए रहते हैं, न पतझड़ की उदासी को ओढ़ते हैं। वे बस आते हैं—धीरे से, संकोच के साथ, जैसे किसी पुरानी धुन का पहला सुर, जिसे केवल वही सुन सकता है, जिसकी स्मृतियों में कोई शांत धूप बची हो।

सहजन के फूलों की सादगी में एक अजीब-सी जटिलता है। वे जितने सीधे दिखते हैं, उतने ही गहरे होते हैं। सफेद, नर्म और हल्की गंध से भरे हुए ये फूल किसी मौन गीत की तरह खिलते हैं -शब्दों से अधिक अनुभव में बहते हुए। हवा उन्हें छूती है और वे बिना किसी प्रतिरोध के बहने लगते हैं। जैसे प्रेम में समर्पण का पहला क्षण, जब सब कुछ स्पष्ट नहीं होता लेकिन महसूसना ही पर्याप्त होता है। सहजन के फूल गिरते नहीं—वे उतरते हैं। धीरे-धीरे, जैसे समय के स्पर्श से पिघलकर धरती की गोद में समा रहे हों। उनकी यात्रा किसी संत की प्रार्थना जैसी है -शांत, कोमल, और गहरी। वे न अपने खिलने का उत्सव मनाते हैं, न गिरने की पीड़ा में विलीन होते हैं। वे बस प्रवाह में रहते हैं, उस नदी की तरह जो कभी ठहरती नहीं, लेकिन अपने भीतर सैकड़ों स्मृतियों को संजोए रखती है।

शाम की धूप जब सहजन के पेड़ों से छनकर गिरती है, तो फूलों के छोटे-छोटे चेहरे चमकने लगते हैं। यह कोई चमत्कार नहीं, बस प्रकृति का एक कोमल संकेत है कि सौंदर्य उन्हीं चीजों में बसता है, जिन्हें हम अनदेखा कर देते हैं। कभी-कभी, मैं सहजन के फूलों को देखता हूं और सोचता हूं - क्या हम भी ऐसे ही नहीं हैं? अपनी शाखाओं पर किसी अदृश्य वचन में बंधे हुए, एक दिन मिट्टी में लौट जाने के लिए? और अगर लौटना ही है तो क्यों न इन फूलों की तरह उतरें -सुगंध से भरे हुए, हल्के, और स्मृतियों में बसे रहने वाले?

शायद इसीलिए सहजन के फूल केवल फूल नहीं होते, वे जीवन की सबसे सुंदर परिभाषा होते हैं-सरल, क्षणिक लेकिन शाश्वत। कभी-कभी हवा सहजन के फूलों से बातें करती है। वे उसके कानों में धीमे से कुछ कहते हैं, कोई भूली-बिसरी कथा, कोई बीता हुआ वादा, कोई अनसुना गीत। हवा उन्हें छूते ही हल्के हो जाती है, जैसे उन फूलों ने उसे कोई गुप्त मंत्र दे दिया हो-एक ऐसा मंत्र, जो थके हुए पत्तों को सुकून देता है, जो किसी उखड़े हुए जड़ को भी यह भरोसा दिलाता है कि मिट्टी में लौटना भी एक यात्रा ही है, कोई अंत नहीं। जब सहजन के फूल झरते हैं तो धरती को अपने स्पर्श से भर देते हैं। उनका गिरना किसी विरहिणी नायिका के अश्रु जैसा नहीं होता, न ही किसी अधूरे स्वप्न के टूटने जैसा। वे गिरते हैं, जैसे जल में कोई दीप उतारा जाता है—एक धीमी आहुति की तरह, जो बुझने के बजाय और भी गहराई में समा जाती है।

किसी शाम जब हल्की नमी भरी हवा चलती है, सहजन के फूल मद्धिम धूप में झिलमिलाने लगते हैं। उनकी सफेदी में एक गूंज होती है—एक मौन पुकार, जिसे वही सुन सकता है, जिसने कभी किसी चीज को बिना छुए महसूस किया हो। वे कोमल हैं लेकिन उनके भीतर जो स्थिरता है, वह उन्हें कभी पूरी तरह विलीन नहीं होने देती। वे धरती पर गिरकर भी मिट्टी में नहीं खोते, वे अपनी छाप छोड़ जाते हैं - किसी बच्चे की हथेली पर पड़े हल्के स्पर्श की तरह, किसी मां की चुप्पी में छुपी हुई चिंता की तरह।

जब रात गहराने लगती है, सहजन के फूलों का सौंदर्य और भी स्पष्ट हो जाता है। वे अंधेरे के विरुद्ध कोई रोशनी नहीं जलाते, न ही अपनी उपस्थिति का शोर मचाते हैं। वे बस रहते हैं—शांत, प्रतीक्षा में, किसी नए सवेरे की उम्मीद में। शायद इसीलिए सहजन के फूलों का सौंदर्य देखने के लिए आँखों से अधिक हृदय की आवश्यकता होती है।

और मैं सोचता हूं—क्या सौंदर्य का यही अर्थ नहीं? बिना दिखावे के खिलना, बिना किसी शिकायत के झर जाना और फिर भी स्मृतियों में बने रहना? सहजन के फूल हमें यही सिखाते हैं—कि हर अंत के भीतर एक नयी शुरूआत छुपी होती है और हर गिरावट में एक नई उड़ान की संभावना।

सहजन के फूलों में कोई आग्रह नहीं। वे झरने से पहले भी उतने ही निश्चल रहते हैं, जितने शाख पर खिलते समय। कोई आकर्षण नहीं, कोई स्वप्निल रंग नहीं, फिर भी उनका अस्तित्व मिट्टी की सबसे गहरी परत तक अपनी पहचान छोड़ जाता है। वे जैसे किसी आत्मलीन कवि की पंक्तियां हों—नित्य, मौन लेकिन भीतर से उद्दीप्त।

कभी-कभी मैं उन्हें देखता हूँ और सोचता हूँ—क्या प्रेम भी ऐसा ही नहीं होना चाहिए? न कोई आडंबर, न कोई स्वर, बस एक अव्यक्त उपस्थिति। सहजन के फूल प्रेम की तरह गिरते हैं—बिना कोई भार छोड़े लेकिन जिनके होने की अनुभूति देर तक बनी रहती है। जैसे किसी ने जाते-जाते हल्के से माथे पर हाथ रख दिया हो, जैसे किसी ने बिना कुछ कहे कोई वचन दे दिया हो।

रात के अंतिम प्रहर में, जब ओस की बूंदें पत्तों से टपकती हैं, सहजन के फूलों की सफेदी चांदनी से मिलकर और भी उजली हो जाती है। वे ठहरे हुए समय की तरह लगते हैं—न पूरी तरह बीते हुए, न आने वाले समय का हिस्सा। वे उस क्षण में होते हैं, जहां स्मृति और भविष्य के बीच का अंतर मिट जाता है। कोई उन्हें देखकर नहीं ठहरता, कोई उनकी खुशबू को उधार नहीं लेता। फिर भी वे निरंतर खिलते हैं, गिरते हैं और किसी और वसंत में लौट आने के लिए मिट्टी में घुल जाते हैं। यह एक अनिवार्य चक्र है—एक चुपचाप बहती हुई धारा, जो जानती है कि लौटना ही उसका धर्म है। और शायद, यही सहजन के फूलों की अंतिम सीख है—सौंदर्य केवल दिखने में नहीं, बल्कि खो जाने में भी है। गिरकर भी महकने में है और मिट्टी में मिलकर भी किसी नए स्वरूप में लौटने में।

(लेखक, नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में प्रोफेसर हैं। वास्तविक नाम रवींद्र नाथ श्रीवास्तव है।)

देश की एकता और संप्रभुता के लिए बलिदान देने में हमेशा अग्रणी रहा है पंजाबः भगवंत मान

पंजाब ने देश को बहादुर सिपाही और जांबाज फौजी अधिकारी दिए - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश की एकता और संप्रभुता में राज्य के अद्वितीय योगदान, बहादुरी, भाईचारे की मजबूत भावना, शानदार विरासत और भारत के खड़गभुजा एवं अन्नदाता के रूप में पंजाब के अमूल्य योगदान का जिक्र किया।

आज यहां नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने भारतीय सशस्त्र बलों को जांबाज फौजी अधिकारी और बहादुर जवान दिए हैं, जिन्होंने हमेशा मोर्चे पर रहकर देश के लिए शहादतें दी हैं। उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा 2 से 6 फरवरी तक पंजाब का दौरा किया जा रहा है।

राज्य में पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन दौरा पंजाब के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों को समझने और सीखने का एक अनूठा प्रयास है।

राज्य की पवित्र और उपजाऊ धरती पर प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार आपकी मेजबानी करके गर्व महसूस कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि पंजाब महान गुरुओं, पीरों, संतों, पैगंबरों और शहीदों की धरती है और इसे योद्धाओं तथा मेहनतकश लोगों की भूमि के रूप में जाना जाता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य के नौजवान सीमाओं की रक्षा करते हैं और हमारे किसान देश का पेट भरते हैं, इसी कारण पंजाब को ह्यभारत का अन्नदाता और खड़गभुजाह्ल के रूप में सम्मान प्राप्त है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब के किसान देश के अनाज उत्पादन में सबसे अधिक योगदान देते हैं और राष्ट्रीय पूल में 40 प्रतिशत अनाज इसी राज्य द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब के बहादुर

सैनिकों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं और यह अटल एवं स्पष्ट सत्य है कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों ने सबसे अधिक बलिदान दिए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब एक शांतिपूर्ण राज्य है जहां शांति, प्रेम और भाईचारे की भावना इतनी मजबूत है कि यहां नफरत के बीज नहीं पनप सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा, सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद, पंजाब कभी भी सांप्रदायिकता में बंटा नहीं। इसके बजाय कठिन घड़ी में पंजाबियों ने दुनिया के सामने भाईचारे और सद्भावना की शानदार मिसालें पेश की हैं। उन्होंने आगे कहा, पवित्र शहर अमृतसर को सरब-सांझीवालता का प्रतीक माना जाता है और गुरुओं द्वारा बसायी यह धरती श्री हरिमंदिर साहिब, दुर्गियाना मंदिर, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल, जल्लियांवाला बाग और अन्य पवित्र स्थानों का घर है। उन्होंने कहा, पंजाब एक विरोधी देश के साथ 532 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है, फिर भी यह धर्मनिरपेक्षता, शांति और सद्भावना का पुंज बना हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, भारत के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए पंजाब में एक सप्ताह का दौरा शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राज्यों का दौरा करके उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं को गहराई से जानने का अवसर प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे राज्य स्तर से गांव स्तर तक प्रशासन, शासन और कानून व्यवस्था को लागू करने की चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा, प्रतिनिधिमंडल में कुल 16 अधिकारी हैं, जिनमें से विदेशी अधिकारियों की संख्या 31 प्रतिशत है, क्योंकि 16 अधिकारियों में से 5 विदेशों से संबंधित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रतिनिधिमंडल में बांग्लादेश, मिस्र, इंडोनेशिया, मलेशिया और नेपाल से एक-एक अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, 11 भारतीय अधिकारी हैं, जिनमें सेना के पांच, नौसेना के दो, वायुसेना के दो, ए.एफ.एच.क्यू.सी.एस. का एक और डी.ओ.एल.आर.का एक अधिकारी शामिल है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रतिनिधिमंडल में सेना, नौसेना और वायुसेना के ब्रिगेडियर या सचिव स्तर के अधिकारी तथा सिविल अधिकारी भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आइएएस, आइपीएस, आइआरएस, आइएफएस, कोस्ट गार्ड और डीआरडीओ सहित कई सिविल अधिकारी इस महत्वपूर्ण कोर्स का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा, यह कोर्स भारत के बारे में ज्ञान, रणनीतिक रुझान, आर्थिक सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वैश्विक मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर्यावरण, पड़ोसी देशों के रणनीतिक पहलू और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतियां एवं ढांचे जैसे क्षेत्रों को कवर करता है।

इस अवसर पर भगवंत सिंह मान ने दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का सम्मान भी किया और कहा, मैं राज्य में उनकी अच्छी और आरामदायक ठहराव की कामना करता हूं।

कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां द्वारा विभिन्न यूनियनों के साथ बैठक, जायज मांगों को पूरा करने का भरोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राजस्व एवं आवास निर्माण व शहरी विकास मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज विभिन्न यूनियनों के साथ मैराथन बैठकें कीं।

पंजाब भवन में आयोजित इन बैठकों में रेवेन्यू पटवार यूनियन, कानूनगो यूनियन, साझा मुलाजम मंच पुड्डा और ऑल इंडिया अतिवाद पीड़ित एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से विभिन्न मीटिंगों के दौरान कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिलाया कि उनकी हर जायज मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राजस्व मंत्री ने विभिन्न एसोसिएशनों

और यूनियनों द्वारा रखी गई मांगों को ध्यान से सुना।

उन्होंने बताया कि जो मांगें विभागीय स्तर पर हल हो सकती हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाया जाएगा। वहीं जो मांगें मुख्यमंत्री या वित्त विभाग के स्तर पर हल होनी हैं, उन्हे पूरा करने के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के साथ बैठक की जाएगी।

राजस्व मंत्री ने पटवारी और कानूनगो एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से कहा कि अपनी ड्यूटी निभाते हुए अच्छा प्रदर्शन करने वाले पटवारियों और कानूनगोओं को सरकार द्वारा सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे अपना काम पूरी लगन, ईमानदारी और ज़िम्मेदारी से करें।

इसके अलावा साझा मुलाजम मंच, पुड्डा मोहाली के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इन कर्मचारियों को पेंशन स्कीम का लाभ देने के मामले को जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

ऑल इंडिया अतिवाद पीड़ित एसोसिएशन के प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई मांगों के बारे में कैबिनेट मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की सहायता, सुरक्षा और पुनर्वास पंजाब सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिया कि एसोसिएशन द्वारा रखी गई जायज मांगों पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर गंभीरता से विचार किया जाएगा और उनके समाधान के लिए हर संभव और उचित कदम उठाए जाएंगे।

मीटिंग के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव-कम-वित्त आयुक्त (राजस्व) श्री अनुराग वर्मा तथा आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री विकास गर्ग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विजिलेंस ब्यूरो ने क्लर्क को 2700 रुपये रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई मुहिम के दौरान, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, बठिंडा में तैनात क्लर्क डेविड को 2700 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां राज विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त आरोपी को कन्हैया नगर, जिला बठिंडा के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता एजेंट राजा मित्तल के दफ्तर में एक दिहाड़ीदार के रूप में काम करता है और आरटीओ बठिंडा से संबंधित कार्य संभालता है। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपी आरटीओ बठिंडा में वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) की ऑनलाइन सत्यापन की ड्यूटी निभा रहा था। लेकिन आरोपी शिकायतकर्ता की फाइलों का सत्यापन नहीं कर रहा था और उन फाइलों का सत्यापन करवाने के लिए प्रति फाइल 300 रुपये की मांग कर रहा था। आरोपी ने शिकायतकर्ता को बठिंडा के बस स्टैंड पर बुलाया और 2100 रुपये रिश्वत के रूप में लिए तथा फिर गैर-कानूनी रिश्वत के रूप में 3000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, जिसके कारण उसने विजिलेंस ब्यूरो यूनिट, बठिंडा से संपर्क किया।

शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसमें आरोपी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 2700 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विजिलेंस ब्यूरो थाना बठिंडा में मामला दर्ज कर लिया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

केंद्रीय बजट में पंजाब को पूरी तरह से किया अनदेखाः बरसट

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी, पंजाब के राज्य महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने केंद्रीय बजट की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस बजट में पंजाब राज्य को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने पंजाब को किसी भी प्रकार का विशेष पैकेज न देकर एक बार फिर राज्य के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार किया है। स. बरसट ने कहा कि पंजाब देश का अनाज भंडार भरता है और हर मुश्किल समय में देश के लिए अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। पंजाब के किसान देश को अनाज मुहैया कराते हैं और पंजाब के नौजवान सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं। पंजाब ने हमेशा कठिन समय में आगे बढ़कर योगदान दिया है। इसके बावजूद केंद्रीय बजट में पंजाब, किसानों, युवाओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 के दौरान आई भीषण बाढ़ के कारण पंजाब के किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। इसके बावजूद किसानों की इस पीड़ादायक स्थिति को बजट में पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बजट में न तो एमएसपी की कोई गारंटी है और न ही युवाओं के लिए रोजगार का कोई भरोसा। सीमावर्ती राज्य होने के कारण पंजाब पहले ही कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद पंजाब के लिए किसी भी प्रकार का विशेष पैकेज न देना केंद्र की पंजाब विरोधी सोच को दशार्ता है। इसके साथ ही पंजाब का करीब 8500 करोड़ रुपये का आरडीएफ भी रोका हुआ है।उन्होंने पंजाब भाजपा नेताओं पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि वे केंद्र के सामने पंजाब के अधिकारों की बात नहीं रखते हैं, जबकि पंजाबी होने के नाते उन्हें पंजाब के पक्ष में आवाज उठानी चाहिए। भाजपा नेता राज्य के अधिकारों के लिए आवाज उठाने की बजाय केवल राजनीति करने में लगे हुए हैं। स. हरचंद सिंह बरसट ने केंद्रीय बजट को सिरे से नकारते हुए केंद्र की मोदी सरकार से अपील की कि पंजाब के साथ हो रहे भेदभाव को तुरंत बंद किया जाए और राज्य को उसके बनते अधिकार दिए जाएं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पंजाब के अधिकारों के लिए हर मंच पर संघर्ष जारी रखेगी और केंद्र की पंजाब विरोधी नीतियों का डटकर विरोध करेगी।

चंडीगढ़ में आयोजित हुआ दुबई यूनिफेस्ट 2026, छात्रों को मिले वैश्विक शिक्षा के अवसर

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में दुबई यूनिफेस्ट 2026 का आयोजन किया गया जहां छात्रों और अभिभावकों को दुबई में उच्च शिक्षा से जुड़े विविध अवसरों की जानकारी दी गई। इस अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मेले में दुबई स्थित 15 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य दुबई को एक उभरते हुए वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में प्रस्तुत करना था, जहां अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त डिग्री, इंडस्ट्री-अलाइन्ड कोर्स और मजबूत करियर विकल्प उपलब्ध हैं। छात्रों ने सीधा विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों से बातचीत कर प्रवेश प्रक्रिया, स्कॉलरशिप, वीजा और भविष्य की करियर संभावनाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सत्र ह्लअकादमिक लाउंज-हाई टी एंड डायलॉग्सह्व भी आयोजित किया गया, जिसमें स्कूल लीडरशिप, काउंसलर्स और विश्वविद्यालय विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस चर्चा का मुख्य विषय ₹वैश्विक उच्च शिक्षा और करियर डेस्टिनेशन के रूप में दुबई की बदलती भूमिका₹ था।पैनल चर्चा में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय रुझानों, करियर-आधारित अकादमिक योजना और छात्र मोबिलिटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए गए। आयोजन के होस्ट हेमंत कुमार ने कहा, दुबई आज शिक्षा और करियर दोनों के लिए एक मजबूत विकल्प बन चुका है। हमारा उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों को सही जानकारी देकर उन्हें बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। दुबई यूनिफेस्ट 2026 ने छात्रों को वैश्विक शिक्षा विकल्पों से जोड़ा।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के 66वें पाठ्यक्रम के अधिकारियों से संवाद किया

चंडीगढ़। राज्यपाल के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने *पंजाब लोक भवन* में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (ठउ्र), नई दिल्ली के 66वें पाठ्यक्रम के अधिकारियों से संवाद किया और राज्य के अध्ययन दौरे पर आए अधिकारियों का स्वागत किया।उन्होंने कहा कि ठउ्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि यह सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं और पुलिस सेवाओं के अधिकारियों के साथ-साथ मित्र देशों के अधिकारियों को भी रणनीतिक चिंतन और सिविल-मिलिट्री समन्वय के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। राज्यपाल ने बताया कि प्रतिष्ठित 47-सप्ताह का यह पाठ्यक्रम वरिष्ठ अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन, रणनीतिक नेतृत्व और सार्वजनिक नीति निर्माण में उच्च स्तर की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने हेतु तैयार किया गया है। पंजाब के संवैधानिक, रणनीतिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य का अनुभव दशार्ता है कि आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव को संवैधानिक शासन, विधि के शासन के पालन तथा मजबूत संस्थागत ढांचे के माध्यम से सबसे बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सकता है। राज्यपाल ने अधिकारियों से अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान पंजाब की शासन प्रणालियों, विकास मॉडल, सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचना का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया।

संसद में डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब के लिए तत्काल भूजल पुनर्जीवन पैकेज की मांग की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ दिल्ली

डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, राज्यसभा सांसद, ने पंजाब में भूजल के खतरनाक स्तर तक गिरने पर गहरी चिंता व्यक्त की।

संसद में उनके प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार, जहाँ लगभग 57% निगरानी किए गए कुओं में भूजल स्तर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं पंजाब के 42% से अधिक कुओं में भूजल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जो अत्यंत चिंताजनक है।

डॉ. साहनी ने कहा कि यह विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि इन कुओं का सर्वेक्षण 2025 के मानसून के बाद किया गया था, जबकि इस मानसून में

पंजाब ने अपने आधुनिक इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना किया था। इसके बावजूद यह अत्यंत चिंताजनक है कि राज्य के 9% कुओं में भूजल स्तर 40 मीटर से भी नीचे चला गया है। विशेष रूप से कृषि की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जिलों—संगरूर (100%), बरनाला (67%), पटियाला (44%), मोगा और मालेरकोटला—में गंभीर जल संकट की स्थिति बनी हुई है। यहाँ तक कि शहरी जिलों लुधियाना, जालंधर और बठिंडा में भी अधिकांश कुएँ अब 10 से 40 मीटर की गहराई श्रेणी में आ गए हैं, जो भूजल के अस्थिर और अत्यधिक दोहन को दशार्ता है।

डॉ. साहनी ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भूजल संकट के इतने स्पष्ट प्रमाणों के बावजूद और राज्य सरकार द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने के बाद भी पंजाब को ह्यअटल भूजल योजनाह्ल के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया, जबकि यह योजना विशेष रूप से जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए बनाई गई है।

डॉ. साहनी ने केंद्र सरकार से पंजाब के लिए तत्काल एक विशेष भूजल पुनर्जीवन एवं फसल विविधीकरण पैकेज की घोषणा करने की माँग की और चेतावनी दी कि यदि नीतिगत उपेक्षा जारी रही तो राज्य एक अपूरणीय जल संकट की ओर बढ़ सकता है।

किसान, शिक्षा और स्वास्थ्य विरोधी इस बजट में पंजाब की कुर्बानियों और जरूरतों को किया गया दरकिनारः हरपाल सिंह चीमा

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बजट 2026 में पंजाब को नजरअंदाज करना लोकतंत्र और संघवाद के लिए बड़ा खतराः वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर केंद्रीय बजट 2026 में पंजाब की जरूरतों और कुर्बानियों को पूरी तरह नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बजट में कहीं भी पंजाब का कोई जिक्र नहीं है और न ही लंबे समय से बकाया पड़े 8,500 करोड़ रुपये के ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) का कोई हवाला दिया गया है।

बजट-2026 को शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, गरीब, व्यापारी और पंजाब की सुरक्षा विरोधी करार देते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का बोझ उठाने, बार-बार प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने और आरडीएफ से संबंधित जिम्मेदारियों को निभाने के बावजूद पंजाब को एक बार फिर अपने स्तर पर सभी प्रबंध करने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में आम लोगों के लिए कोई राहत नहीं है और लगातार 12वें साल भी केंद्र की ओर से कोई ठोस सहायता नहीं दी गई।

आज यहां पंजाब भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह बजट देश के लिए बेमिसाल कुर्बानियां देने वाले राज्य पंजाब को विकास की पटरी से उतारने की जानबूझकर की गई कोशिश है। उन्होंने कहा, ह्यकेंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा की मानसिकता देश के लोकतंत्र और खासकर पंजाब के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है। केंद्रीय बजट 2026 शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों, गरीबों, व्यापारियों तथा पंजाब की सुरक्षा विरोधी है। इस बजट के माध्यम से, देश के लिए बेमिसाल कुर्बानियां देने वाले पंजाब के विकास की पटरी से उतारने की एक साजिश रची गई है।ह्ल

वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए लगातार 12वें बजट में पंजाब को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री को दिए गए मेमोरेंडम को अनदेखा किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के लिए सीना तानकर खड़ा होता आया है, पंजाब ने केंद्रीय फूड पूल में अपना योगदान कभी कम नहीं किया, बल्कि हर साल बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि देश के अनाज भंडार को बढ़ाने के कारण पंजाब के 117 ब्लॉक डार्क जोन में जा चुके हैं।

16वें वित्त आयोग को पूरी तरह नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र ने राज्यों के सामने मौजूद वित्तीय तनाव के बावजूद राज्यों की खराब स्थिति को पूरी तरह अनदेखा किया है और राज्यों के हिस्से को बढ़ाने में असफल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्टिकल डेवोल्यूशन (टैक्स पूल में सभी राज्यों का कुल हिस्सा) 41 प्रतिशत पर ही रखा गया है और कोई बदलाव नहीं किया गया। 16वें वित्त आयोग से कोई राजस्व घाटा अनुदान नहीं है। 15वें वित्त आयोग ने इन अनुदानों की सिफारिश की थी। एसडीआरएफ की शर्तें बहुत अधिक सीमित हैं और आपदाओं को प्रभावी ढंग से कम करने व प्रबंधन करने में पंजाब जैसे राज्य को प्रभावित करेंगी।

मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर पंजाब के किसानों की जायज चिंताओं को नजरअंदाज किया है, जिससे उसके किसान-हितैषी होने के खोखले दावों की पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 में कृषि आधारभूत ढांचा फंड में कोई वृद्धि नहीं की गई और न ही मंडी के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कोई ठोस सहायता दी गई है, जिससे कृषि प्रधान राज्यों को अपने भरोसे छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट-2026 में कृषि आधारभूत ढांचा फंड में वृद्धि या मंडी

आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के बारे में पंजाब के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि राज्यों को अपने फंडों के साथ ही विकास करना होगा। बजट में उच्च-मूल्य वाली फसलों के विकास बारे जिक्र हुआ परन्तु पंजाब को पूरी तरह अनदेखा रखा।

पंजाब के वित्त मंत्री ने बताया कि पंजाब का किसान देश का पेट भरता है, फिर भी केंद्र सरकार उन प्रणालियों में निवेश को लगातार नजरअंदाज कर रही है जो खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। वित्त मंत्री ने उच्च मूल्य वाली फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनाए गए चुनिंदा दृष्टिकोण की भी आलोचना की। जबकि बजट में नारियल, काजू, चंदन और ड्राई फ्रूट्स जैसी फसलों का जिक्र है, लेकिन उत्तरी भारत के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है जो अपनी कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल फसलों पर निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट स्पष्ट रूप से केंद्र के पक्षपात और अनाज पैदा करने वाले राज्यों, खासकर पंजाब के किसानों के प्रति उसकी लगातार उदासीनता को दशार्ता है। ये किसान सम्मान, सहयोग और उचित निवेश के हकदार हैं, खोखले नारों के नहीं। सब्सिडी में कटौती और आम नागरिकों को कोई राहत न देने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यूरिया सब्सिडी पिछले साल 1,26,475 करोड़ से घटाकर 1,16,805 करोड़ कर दी गई है। इस बजट में ह्यआम आदमीह्ल के लिए कुछ नहीं है, जबकि आज के समय में जब महंगाई आम आदमी की बचत को खा रही है और आय नहीं बढ़ रही, तो टैक्स में जीरो राहत उचित नहीं है। वास्तव में, भारत सरकार ने एसएसटी (सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स) बढ़ा दिया है जो आम आदमी पर बुरा प्रभाव डालेगा। इस वृद्धि से बाद में लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर कोई राहत नहीं है। यह आम आदमी को हर तरफ से निचोड़ने जैसा है।रक्षा के बारे में बोलते हुए पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि केंद्रीय वित्त मंत्री भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में मजबूत बनाने और पिछले साल पाकिस्तान के साथ तनाव के मद्देनजर रक्षा बजट में अर्थपूर्ण वृद्धि के लिए बड़ी योजनाओं की घोषणा करेंगे।

भारत के केंद्रीय बजट का नेपाल पर पड़ेगा प्रभाव

सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से नेपाल और भारत के बीच परिवहन और ढुलाई अधिक तेज व प्रभावी होगी

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

भारत का केंद्रीय बजट रविवार को पेश हो चुका है। नेपाल और भारत के बीच गहरे आर्थिक और भौगोलिक संबंधों के कारण भारत के आम बजट के कई प्रावधानों का नेपाल पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ता है। इनमें से कुछ प्रावधान भारत के साथ-साथ नेपाल के लिए भी लाभकारी हो सकते हैं। भारत सरकार ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में व्यापक निवेश की घोषणा की है। भारत ने नेपाल की पूर्वी सीमा से जुड़े सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल बनाने की घोषणा की है। बजट में घोषित सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी शामिल है। इस रेल नेटवर्क के विस्तार से नेपाल और भारत के बीच परिवहन और ढुलाई और अधिक तेज व प्रभावी हो सकती है।

व्यापार सहजीकरण और ई-कॉमर्स

भारत के बजट में कूरियर के माध्यम से होने वाले निर्यात पर लागू 10 लाख रुपये की सीमा को पूरी तरह हटा दिया गया है। इससे भारत के छोटे उद्यमियों और स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच आसान होगी, जिसका लाभ नेपालझ्र भारत सीमा पार ई-कॉमर्स कारोबार को भी मिल सकता है। इसके अलावा, कस्टम्स इंटीग्रेटेड सिस्टम और डिजिटल विंडो की शुरुआत से सीमा शुल्क प्रक्रियाएं तेज होंगी, जिससे नेपाल आने-जाने वाले सामानों की क्लीयरेंस में होने वाली देरी कम हो सकती है। भारत ने सौर ऊर्जा और बैटरी उत्पादन के लिए आवश्यक लिथियम-आयन बैटरियों पर सीमा शुल्क में छूट और अन्य प्रोत्साहन योजनाएं लागू की हैं। भारत में सौर और बैटरी तकनीक सस्ती होने पर इसका सकारात्मक असर नेपाल पर भी पड़ सकता है। नेपाल में भी बैटरी स्टोरेज सोलर परियोजनाओं पर चर्चा हो रही है, ऐसे में भारत की नीतियों से नेपाल को लाभ मिल सकता है। दूसरी ओर, भारत ने परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने की घोषणा भी की है, जिससे दक्षिण एशिया के समग्र ऊर्जा बाजार के स्वरूप में बदलाव आ सकता है। भारत में बिजली की दरें घटने की स्थिति में नेपाल के लिए यह प्रतिकूल हो सकता है, क्योंकि नेपाल की जलविद्युत का दीर्घकालीन बाजार भारत ही है।

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ने से नेपाली किसानों पर असर

भारत और नेपाल के बीच कृषि उत्पादों के व्यापार में शुल्क-मुक्त सुविधा है। भारत के 2026झ्र27 के बजट में कृषि क्षेत्र की उत्पादन लागत घटाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई तकनीक और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित कई योजनाएं लाई गई हैं। भारत में उत्पादन लागत घटने से वहां के सस्ते कृषि उत्पाद आसानी से नेपाली बाजार में प्रवेश कर सकते हैं। भारत सरकार ने 'भारतझ्रविस्तार' नामक बहुभाषी एआई टूल भी लॉन्च किया है, जो किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम और खेती की सर्वोत्तम पद्धतियों पर अनुकूलित सलाह देगा। इससे उर्वरक और बीज की बबार्दी कम होगी और उत्पादन बढ़ेगा, जिससे भारतीय कृषि उत्पादों की लागत और घट सकती है। नेपाल और भारत की खुली सीमा और समान भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती के तौर-तरीके भी समान हैं। ऐसे में भारतीय किसानों को मिलने वाली जानकारी से नेपाली किसान भी लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अलावा, बजट में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग शुरू करने की घोषणा से कृषि उत्पादों की ढुलाई लागत घटेगी, जिससे भारतीय सब्जियां और खाद्यान्न नेपाल में और सस्ते हो सकते हैं। डिजिटल विंडो के माध्यम से क्लीयरेंस प्रक्रिया तेज होने से ताजे फल और सब्जियां कम लागत में नेपाली सीमा तक पहुंच सकेंगी।

नया बौद्ध सर्किटः अवसर या चुनौती

भारत ने पूर्वोत्तर राज्यों में नए बौद्ध सर्किट के विकास के लिए विशेष योजना प्रस्तावित किया है। इस सर्किट के तहत अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के बौद्ध मठों और मंदिरों को जोड़ा जाएगा। इन राज्यों के नेपाल से गहरे भौगोलिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। ऐसे में वहां तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास से नेपाल के लुंबिनी (भगवान बुद्ध की जन्मस्थली) तक पर्यटकों की आवाजाही बढ़ सकती है। लुंबिनी के अलावा नेपाल में पूर्व से पश्चिम तक कई बौद्ध मठ, स्तूप और धरोहर स्थल हैं। यदि भारत के बौद्ध सर्किट को नेपाल की इन धरोहरों से जोड़ने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया, तो नेपाल को बड़ा लाभ मिल सकता है। वाराणसीझ्रसिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भी अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटकों को नेपाल तक आकर्षित करने में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत ने 'प्रत्येक शहर आर्थिक क्षेत्र' योजना के तहत 50 अरब रुपये निवेश करने की घोषणा की है, जिससे मध्यम और छोटे शहरों का बुनियादी ढांचा विकसित होगा। सीमावर्ती भारतीय शहरों में आधुनिक अस्पताल, होटल और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से नेपाली नागरिकों को भी लाभ मिल सकता है। इससे नेपालझ्रभारतझ्रभूटान को शामिल करने वाले बहु-देशीय पर्यटन पैकेज चलाना भी लॉजिस्टिक रूप से आसान हो सकता है।

भारत का अनुदान

भारत के अनुदान से नेपाल में कई विकास परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इसके अलावा, चुनावों के लिए वाहन उपलब्ध कराने से लेकर स्कूल बस और एंबुलेंस देने तक भारत सरकार नेपाल को सहयोग करती रही है। भारत ने इस वर्ष नेपाल को सात अरब रुपये अनुदान देने की घोषणा की थी, जिसे बढ़ाकर 8.3 अरब रुपये किया गया है। आगामी वर्ष के लिए 8 अरब रुपये का प्रावधान किया गया है। भारत ने कैंसर की 17 दवाओं और 7 दुर्लभ रोगों की दवाओं पर सीमा शुल्क पूरी तरह माफ कर दिया है। ऐसे रोगों से पीड़ित कई नेपाली मरीज भारत में इलाज कराते हैं, जिससे उन्हें लाभ मिलेगा। इसके अलावा, भारत ने व्यक्तिगत उपयोग के लिए विदेश से लाए जाने वाले सामान पर सीमा शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे विशेष रूप से नेपाल घूमने आने वाले भारतीय पर्यटकों को लाभ हो सकता है, जो यहां से सामान ले जाते हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 6,939.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 225.21 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,459.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 396.07 अंक यानी 0.81 प्रतिशत लुढ़क कर 48,496.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,223.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत उछल कर 8,126.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 229.35 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,538.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 136.50 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,922.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 560.85 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,762 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.37 प्रतिशत फिसल कर 4,886.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 447.75 अंक यानी 5.38 प्रतिशत लुढ़क कर 7,881.86 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स ने भी आज जबरदस्त गोता लगाया है। फिलहाल यह सूचकांक 272.07 अंक यानी 5.21 प्रतिशत टूट कर 4,952.29 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 656.11 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,731 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 641.17 अंक यानी दो प्रतिशत की गिरावट के साथ 31,422.58 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.32 प्रतिशत टूट कर 4,063.54 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत फिसल कर 1,315.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

इजराइल ने हिजबुल्लाह आतंकी अली दाऊद अमिच को मार गिराया

एजेंसी (हि.स.)
तेल अवीव (इजराइल)

इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने दुर्दांत आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के आतंकवादी अली दाऊद अमिच को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ ने एक्स पर सूचना करते हुए कहा कि अमिच रविवार को उसके हमले में मारा गया। आईडीएफ की एक्स पोस्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट का डिवीजन हेड अली दाऊद अमिच दक्षिणी लेबनान के अल-द्वेयर इलाके में समूह के आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में लगा हुआ था। वह आईडीएफ के जवानों के खिलाफ आतंकी हमलों में भी शामिल था। वह इजराइल और लेबनान के बीच हुई समझौते का उल्लंघन भी कर रहा था। आईडीएफ के अनुसार, रविवार को हमलाकर अमिच को मौत के घाट उतार दिया गया। उल्लेखनीय है कि हिजबुल्लाह लेबनान स्थित शिया

फोटोः हि.स.

मुस्लिम राजनीतिक दल और शक्तिशाली सशस्त्र संगठन है। इसकी स्थापना 1980 के दशक में लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान हुई थी। इसे ईरान से भारी वित्तीय सहायता, आधुनिक हथियार और प्रशिक्षण मिलता है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और खाड़ी सहयोग परिषद सहित कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया है। अनुमान है कि इसके पास वर्तमान में 25,000 रॉकेट और मिसाइलों का भंडार है। समूह में लगभग 40,000 से 50,000 सक्रिय लड़ाके और इतनी ही संख्या में रिजर्व बल है।

ओडिशा की आदिवासी नेता और पूर्व कांग्रेस सांसद सुशीला तिरिया का निधन

भुवनेश्वर। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री और मयूरभंज से पूर्व सांसद सुशीला तिरिया का निधन हो गया। 70 वर्षीय तिरिया कई दिनों से स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से जूझ रही थीं और भुवनेश्वर स्थित एम्स में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने रविवार शाम एम्स में अंतिम सांस ली। सुशीला तिरिया अनुभवी आदिवासी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उन्हें वर्ष 1986 में ओडिशा से राज्यसभा के लिए चुना गया। इसके बाद वह मयूरभंज लोकसभा क्षेत्र से दो बार 1994 और 1996 में निर्वाचित हुईं। उन्होंने कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य के रूप में भी सेवाएं दीं। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास सहित कई नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दास ने कहा, पूर्व सांसद और कांग्रेस कार्य समिति की पूर्व सदस्य सुशीला तिरिया के निधन से अत्यंत दुखी हूं। आदिवासी कल्याण और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। कांग्रेस नेता नवज्योति पटनायक ने कहा कि सुशीला तिरिया के निधन से उत्तर ओडिशा की राजनीति में एक बड़ा शून्य उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा,उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा में समर्पित कर दिया।

नेपाल सरकार ने अपने नागरिकों के लिए ईरान यात्रा पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

ईरान में जारी हालात को देखते हुए नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों को ईरान की यात्रा से जुड़े किसी भी प्रकार की योजना पर फिलहाल प्रतिबंध लगा दिया है। रविवार को यात्रा परामर्श (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे या काम कर रहे नेपाली नागरिकों से किसी भी उपलब्ध माध्यम का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र देश छोड़ने की कड़ी सलाह दी है।

फोटोः हि.स.

मंत्रालय ने ईरान में मौजूद नेपाली नागरिकों से यह भी अनुरोध किया है कि वे पासपोर्ट और पहचान पत्र सहित अपने सभी यात्रा दस्तावेज हमेशा तैयार रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन रूप से देश से बाहर निकलना आसान हो सके। इसके अलावा, मंत्रालय ने ईरान में रह रहे नेपाली नागरिकों से काठमांडू स्थित विदेश मंत्रालय तथा दोहा स्थित नेपाली दूतावास–जो ईरान से संबंधित वाणिज्य दूतावासीय कार्य देखता है–के साथ निरंतर संपर्क में रहने का आग्रह किया है। नेपाल सरकार ने यहां से ईरान की यात्रा पर जाने वाले नेपाली नागरिकों को अपनी यात्रा को तत्काल स्थगित करने का निर्देश दिया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि अगले आदेश तक नेपाली नागरिक किसी भी कारणवश ईरान की यात्रा नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, 13 जनवरी को भी मंत्रालय ने ईरान में रह रहे और कार्यरत नेपाली नागरिकों को ईरान की सक्षम प्राधिकरणों द्वारा जारी सुरक्षा परामर्श का पालन करने, घर के भीतर रहने, सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी थी।

संक्षिप्त-समाचार

बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई फजल बलोच का लोगों से लड़ाई में शामिल होने का आह्वान

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में शामिल बलोच लिबरेशन आर्मी ने अपने आधिकारिक चैनल पर फजल बलोच का एक वीडियो संदेश जारी किया है। यह वीडियो संदेश बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ऑपरेशन हीरो के दूसरे चरण की शुरूआत पर आया है। फजल बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई (आत्मघाती) हैं। उन्होंने बलोचिस्तान के लोगों से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो में फजल बलूच को एक वाहन में बैठे देखा जा सकता है। यह वही वाहन है, जिसके माध्यम से उन्होंने ग्वादर के तहसील पसनी में एक लक्ष्य को निशाना बनाकर ऑपरेशन हीरो को अंजाम दिया था। वीडियो संदेश में उन्होंने बलोचों को बधाई दी और कहा कि सबसे पहले मजीद ब्रिगेड जिंदाबाद। माशा अल्लाह, हमारे युवा बुद्धिमान हैं। मैं बड़ों को एक संदेश देना चाहता हूं। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि अब घर पर बैठने का समय नहीं है। अपने बच्चों और भाइयों के साथ आओ और इस लड़ाई में शामिल हो जाओ। गौरतलब है कि ऑपरेशन हीरो के तहत बलोच लिबरेशन आर्मी के पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों का सिलसिला जारी है।

रायगढ़ के केलो बिहार में देह व्यापार का भंडाफोड़, 2 आरोपित गिरफ्तार

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में रायगढ़ जिले में अवैध शराब, जुआ-सट्टा एवं अनैतिक गतिविधियों पर लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में देह व्यापार की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को पीटा एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है । पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि केलो बिहार कॉलोनी स्थित संतोष सोनी के मकान में किरायेदार डिंपी उर्फ राहुल इजारदार बाहर से महिलाओं को लाकर देह व्यापार करा रहा है। सूचना से तत्काल एसएसपी शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया, जिनके मार्गदर्शन पर थाना चक्रधरनगर और साइबर पुलिस थाना की संयुक्त टीम गठित कर रेड की योजना बनाई गई। पुलिस द्वारा पहले एक पाइंटर को ग्राहक बनाकर रुपये देकर मकान भेजा गया। पाइंटर से संकेत मिलते ही मकान की घेराबंदी कर एकाएक छापा मार कार्यवाही की गई। मौके पर मकान के अंदर तीन महिलाएं, पुलिस पाइंटर, आरोपित डिंपी उर्फ राहुल इजारदार तथा एक अन्य व्यक्ति नागेंद्र विश्वकर्मा निवासी कोतरारोड पाए गए। मकान से देह व्यापार में प्रयुक्त कई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। पूछताछ में नागेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि डिंपी इजारदार मकान का किरायेदार है, जो महिलाओं को लाकर उनसे वेश्यावृत्ति करवाता है और वह उसी सिलसिले में वहां आया था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित डिंपी इजारदार किराये के मकान में महिलाओं को पैसों का लालच देकर अनैतिक देह व्यापार कर जीवन-निर्वहन कर रहा था, स्वयं इसका संचालन व प्रबंधन करता था तथा दलाली की भूमिका निभा रहा था। पुलिस ने दोनों आरोपितों के मोबाइल फोन, पाइंटर द्वारा दिया गया रकम एवं आपत्तिजनक सामग्री को गवाहों के समक्ष जप्त किया।

आसमान में 'सुपरसोनिक' चमक देख रामनगर में मचा कौतूहल

रामनगर। रामनगर के आसमान में रविवार को आसमान में अचानक ऐसा नजारा दिखा, जिसने कुछ पल के लिए लोगों को चौंका दिया। यह नजारा था हवा से भी तेज रफ्तार से गुजरती एक चमकदार रोशनी और उसके पीछे बनी धुएं की सीधी लकीर। आसमान में बनी ये छवि लोगों को सुपर सोनिक रॉकेट या मिसाइल की याद दिला गई। कुछ ही सेकेंड का यह नजारा जरा सी देर में चर्चा का विषय बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात में आसमान में एक तेज चमक वाला बिंदु अत्यधिक तेज गति से आगे बढ़ रहा था। पीछे धुएं जैसी लंबी और सीधी लाइन भी बन रही थी। आसमान के इस नजारे को कई लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। जो देखते ही देखते वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। घटना के बाद रामनगर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि यदि ध्यान से देखा जाए, तो उस रेखा के आगे एक छोटा चमकदार बिंदु भी नजर आता है, जो स्वयं रॉकेट हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे दृश्य रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट मिशन या अंतरिक्ष गतिविधियों के दौरान सामान्य हैं और इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

कुएं में गिरने से बच्चे की मौत

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर स्थित बजरंग नगर में रविवार देर रात एक हादसे में पांच वर्षीय मासूम की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवम केवरतो के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक और मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात अचानक बस्ती के लोगों को सूचना मिली कि एक बच्चा कुएं में गिर गया है। खबर फैलते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत परसुडीह थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य के लिए टाटा स्टील की सुरक्षा टीम से संपर्क किया गया। पुलिस के आग्रह पर टाटा स्टील सुरक्षा विभाग के मशहूर तैराक मजहरूल बारी ने करीब 30 फीट गहरे कुएं में उतरकर कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाला। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी। बच्चे का शव बाहर निकलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मासूम शिवम कुएं में कैसे गिरा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आकर वृद्धा की मौत, ट्रैक पर मिला सिर कटा शव

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में चुनार कोतवाली क्षेत्र के जमुई अंडरपास पुलिया के पास सोमवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर एक वृद्धा का सिर कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने ट्रैक पर शव पड़ा देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची चुनार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतका की पहचान 70 वर्षीय चनेरी देवी पत्नी लालव्रत यादव, निवासी विश्राम टोला अहरौरा के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक रिकवर कर हरे निशान में पहुंच गए। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनने लगा, जिससे इन दोनों सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टूब्रो, टीएमपीवी और

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 2.36 प्रतिशत से लेकर 1.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे, थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस मैक्स हेल्थकेयर, बजाज ऑटो, ओएनजीसी और सिप्ला के शेयर 3.40 प्रतिशत से लेकर 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,697 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 898 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,799 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 167.26 अंक की कमजोरी के साथ 80,555.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सुबह 10 बजे तक यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 655 अंक से अधिक उछल कर 81,211.31 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 116.10 अंक की बढ़त के साथ 80,839.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

युवक को मारी गोली, घायल

सारण। बिहार में सारण जिले के छपरा शहर के भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत वीआईपी गली में आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां बेखौफ अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली युवक के बाएं जांघ में लगी है। आनन-फानन में घायल को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान कोपा थाना क्षेत्र के बसडीला गांव निवासी स्वर्गीय सुभाष पांडेय के पुत्र अभिषेक कुमार पांडेय के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में भर्ती अभिषेक के भाई और ललिता होटल के मैनेजर पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि वे दोनों भाई होटल में बैठे थे। इसी दौरान कोठेया निवासी रितिक सिंह और नैनी निवासी सोनू सिंह वहां पहुंचे और अभिषेक को जबरन खींचकर गली में ले जाने लगे। पंकज के अनुसार, जब उन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। इसी छीना-झपटी के दौरान अपराधियों ने अभिषेक पर फायरिंग कर दी। एक गोली सीधे उसके बाएं जांघ में जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने दो राउंड फायरिंग की आवाज सुनी जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सदर अस्पताल के ड्यूटी पर तैनात डॉ. सुरेंद्र महतो ने बताया कि युवक के जांघ पर जख्म के निशान गोली लगने की पुष्टि कर रहे हैं।

महिला की हत्या का खुलासा, देवर गिरफ्तार, दूसरे साथी की तलाश

एजेंसी (हि.स.)
प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित फूलपुर थाने की पुलिस टीम ने हत्या का खुलासा करते हुए रविवार देर रात मृतका के देवर को गिरफ्तार कर लिया जबकि हत्या में शामिल दूसरे युवक की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित फूलपुर थाना क्षेत्र के बलिकरनपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार पुत्र संगमलाल है। वारदात में शामिल प्रदीप के दोस्त पप्पू मूसहर उर्फ रामसजीवन की तलाश में टीमें लगी हुई है। उल्लेखनीय है कि 29 जनवरी को अभियुक्त प्रदीप कुमार ने थाने में सूचना देकर अपनी भाभी सीमा देवी की गुमशुदगी दर्ज करायी थी । उक्त गुमशुदा की तलाश के दौरान थाना फूलपुर पुलिस को सूचना मिली कि

फोटोः हि.स.

बलकरनपुर गाँव मे एक प्लास्टिक की बोरी मे एक शव कुएँ मे दिखायी पड़ रहा है । शव मिलने के बाद पुलिस ने इस संबंध में धारा-103 (1), 238, 61(2)(क) के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि मृतका के देवर प्रदीप ने अपने दोस्त पप्पू मूशहर के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और भाभी की हत्या कर दी। इसके बाद दोनों ने शव को बोरे में भरकर कुंए में डाल दिया। वारदात के बाद थाने में तहरीर देकर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया था

कोलकाता के रेस्टोरेंट ओलिपब ने यूट्यूबर को बीफ परोसने पर मांगी माफी

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पार्क स्ट्रीट स्थित मशहूर बार-कम-रेस्टोरेंट ओलिपब ने यूट्यूबर सायक चक्रवर्ती को गलती से बकरे के मांस की जगह बीफ परोसने पर औपचारिक रूप से माफी मांग ली है। इसके बाद सायक ने संबंधित वेटर के खिलाफ दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत वापस लेने का फैसला किया है। रविवार रात रेस्टोरेंट ने अपना माफीनामा जारी किया।

यह घटना 30 जनवरी की शाम की है। सायक अपने दो दोस्तों के साथ ओलिपब पहुंचे और उन्होंने मटन स्टेक का ऑर्डर दिया। आरोप है कि मुस्लिम वेटर ने उन्हें बीफ परोस दिया। इसे लेकर वेटर और मैनेजर से उनकी बहस हो गई। बाद में सायक ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। ओलिपब ने माफीनामा में कहा कि वेटर से गंभीर लेकिन अनजाने में गलती हो गई। यह पूरी तरह से मानवीय भूल थी और किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। रेस्टोरेंट इसके लिए

फोटोः हि.स.

खेद जताते हुए माफी मांगता है। ओलिपब ने अपनी 80 साल पुरानी विरासत का जिक्र करते हुए ग्राहकों और कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सायक की शिकायत के बाद पार्क स्ट्रीट थाने की पुलिस ने वेटर शेख नसीरुद्दीन को धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अदालत से उसे जमानत नहीं मिली।

इस बीच मामला तब और बढ़ गया, जब हावड़ा के जयराज भट्टाचार्य ने सायक के खिलाफ अलग शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने सायक पर साजिश के तहत सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर बढ़ते विरोध और आलोचना के बीच सायक चक्रवर्ती ने अपनी शिकायत वापस लेने की घोषणा की।

विश्व आर्द्र भूमि दिवस लोगों को आर्द्र भूमि के संरक्षण का संकल्प दिलाया

नदियों के संरक्षण के लिए चलाया जागरूक अभियान

- श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर गूंजा नदियों और उनसे जुड़ी आर्द्रभूमियों के संरक्षण का संदेश

एजेंसी (हि.स.)
वाराणसी

फोटोः हि.स.

विश्व आर्द्र भूमि दिवस पर सोमवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर नदियों के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में नदियों से जुड़े जीव जंतुओं के चित्र, गंगा सहित माता की तरह हितकारिणी नदियों एवं जल स्त्रोतों की स्वच्छता का स्लोगन लिखी तख्तियां भी लहराई गई।

इस दौरान द्वार पर मौजूद लोगों को आर्द्र भूमि के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। अभियान के नेतृत्वकर्ता गंगा सेवक नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि नदियां और उनसे जुड़ी आर्द्रभूमियां हमारे साझा भविष्य के लिए जीवनदायिनी हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए हमें तत्काल साहसिक कदम उठाने होंगे। हमें जल प्रदूषण रोकना होगा, जैव विविधता को बचाना होगा और नदियों को सूखने से बचाने के लिए सामुदायिक भागीदारी बढ़ानी होगी।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि नदियों का स्वास्थ्य ही हमारे जल, पर्यावरण और आजीविका का आधार है और इनके बिना हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं है। नदियों और आर्द्रभूमियों को बचाना हम सभी के लिए जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इनसे लाभान्वित हो सकें। जागरुकता अभियान में सतीश सोमानी, राहुल राय, अवंतिका शर्मा, शिवानी जायसवाल आदि ने भागीदारी की।

पाकिस्तान को भारी पड़ेगा बहिष्कार : नॉकआउट में भारत से हुआ सामना तो क्या करेगा पाक

पाक सरकार और पीसीबी ने भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप का मुकाबला खेलने से इनकार किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलने से इनकार कर दिया है। दोनों टीमों के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला होना है, लेकिन अब पाकिस्तान ने इस मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है। आईसीसी ने मामले में हस्तक्षेप किया है और उसे पीसीबी से आधिकारिक सूचना मिलने का इंतजार है। अगर पाकिस्तान इस रवैये पर अडिग रहा तो उसके भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। पाकिस्तान बहिष्कार की नौटंकी कर रहा है, लेकिन उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

आईसीसी ने पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि इस बहिष्कार के परिणामस्वरूप दंडात्मक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इस बात की संभावना है कि पाकिस्तान के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अंक काटे जाएंगे। पाकिस्तान को आईसीसी रैंकिंग में भी नुकसान उठाना पड़ेगा। इतना नहीं आईसीसी से मिलने वाले राजस्व पर भी प्रभाव पड़ सकता है। आईसीसी सदस्य देशों की शीर्ष टीमें पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर सकेंगी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अन्य टीमों के खिलाड़ियों के हिस्सा लेने पर भी रोक लगना संभव है।

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के बहिष्कार से भारत को होगा फायदा

पाकिस्तान के बहिष्कार से भारत को ही फायदा पहुंचेगा। पाकिस्तान अगर मैच नहीं खेलता है तो भारत को दो अंक मिलेंगे, जबकि आईसीसी के पास पीसीबी पर पेनल्टी लगाने का अधिकार भी होगा। वॉकओवर के लिए भारतीय टीम को टॉस के दौरान मैदान पर मौजूद रहना होगा और भारतीय टीम मुकाबले के लिए श्रीलंका जाएगी। एक बार अगर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा टॉस के लिए मौजूद नहीं रहे तो मैच रेफरे भारत को दो अंक देने का एलान कर देंगे।

पाकिस्तान पर बहिष्कार का इस तरह पड़ सकता है प्रभाव

ग्रुप ए से दो टीमें सुपर आठ चरण के लिए करेंगी क्वालिफाई। भारत के खिलाफ नहीं खेलने से दो अंक गंवाएगा पाकिस्तान। पाकिस्तान को अब ग्रुप स्टेज में तीन मैच खेलने होंगे जिसमें अगर वह सभी मैच जीतता है तो उसके छह अंक होंगे और वह आसानी से अगले दौर में पहुंच सकता है। ग्रुप ए में पाकिस्तान को भारत कड़ी टक्कर दे सकता है, जबकि अन्य टीमों अपेक्षाकृत कमजोर हैं जिसका फायदा पाकिस्तान को हो सकता है। 2024 टी20 विश्व कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराया था जो टूर्नामेंट से उसके बाहर होने का कारण बना था। अगर पाकिस्तान को ग्रुप चरण में नीदरलैंड, अमेरिका और नामीबिया में से किसी एक टीम के खिलाफ भी हार मिली तो उसके लिए आगे की राह मुश्किल हो सकती है।

पाकिस्तान ने सिर्फ ग्रुप चरण का किया जिक्र

पाकिस्तान की सरकार ने जब यह एलान किया कि उनकी राष्ट्रीय टीम भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलेगी तो उसमें सिर्फ ग्रुप चरण का जिक्र था। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अगर नॉकआउट चरण या फाइनल में दोनों टीमें एक दूसरे के सामने आती हैं तो पाकिस्तान का रुख क्या होगा ? अगर पाकिस्तान वहां भी इसी रुख पर कायम रहता है तो भारत को ही फायदा पहुंचेगा। यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान को जीतने होंगे सभी मैच

पाकिस्तान विश्व कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमे गत चैंपियन भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका भी मौजूद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ करेगा जिसके बाद उसका सामना 10 फरवरी को अमेरिका से होगा। फिर उसे 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलना है, जबकि ग्रुप चरण का आखिरी मैच वह नामीबिया के खिलाफ खेलेगा। भारत से खेलने पर उसे दो अंकों का नुकसान होगा। ऐसे में अगर सलमान आगा की अगुआई वाली टीम को सुपर आठ चरण में आसानी से पहुंचना है तो उसे सभी मैच जीतने होंगे।

आईओसी अध्यक्ष ने कहा- आईसीई और एपस्टीन फाइलें शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटकाने वाली

एजेंसी (हि.स.)
मिलान

फोटोः हि.स.

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने कहा है कि अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर उठे मुद्दे आगामी मिलानोझकोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटका रहे हैं, जो 'दुखद' है।

मिलान में रविवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईओसी अधिकारियों से इन विषयों पर सवाल पूछे गए। कोवेंट्री ने शुरूआत में इन्हें आईओसी के दायरे से बाहर का विषय बताया, लेकिन जोर देने पर उन्होंने माना कि ऐसी खबरें खेलों से फोकस हटाती हैं। कोवेंट्री ने कहा, इन खेलों से ध्यान भटकाने वाली कोई भी चीज दुखद है। लेकिन वर्षों के अनुभव से हमने सीखा है कि खेलों से पहले हमेशा कोई न कोई मुद्दा सुर्खियों में आ जाता है—चाहे वह जीका रहा हो या कोविड। मगर मुझे भरोसा इस बात से मिलता है कि जब उद्घाटन समारोह होगा और खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू करेंगे, तब दुनिया फिर से खेलों के जादू और भावना को याद करेगी। शनिवार को मिलान में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शीतकालीन ओलंपिक के दौरान आईसीई एजेंटों की तैनाती के विरोध में प्रदर्शन किया। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि एजेंट सड़कों पर नहीं, बल्कि एक नियंत्रण कक्ष में तैनात रहेंगे। इसी बीच, एपस्टीन से जुड़ी सरकारी फाइलों के हालिया खुलासे में वर्ष 2003 के कुछ ईमेल सामने आए हैं, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक आयोजन समिति के प्रमुख केसी वासरमैन और एपस्टीन की तत्कालीन साथी घिस्लेन मैक्सवेल के बीच बताए जा रहे हैं। आईसीई एजेंटों की मौजूदगी पर पूछे गए सवाल पर कोवेंट्री ने कहा, हमारे पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर मुझे लगता है कि अमेरिकी प्राधिकरणों ने आवश्यक स्पष्टीकरण दे दिए हैं। सुरक्षा से जुड़े इस पहलू पर हमें आगे टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। हम खेलों का इंतजार कर रहे हैं। वासरमैन के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, इस पर कल चर्चा नहीं हुई थी। वासरमैन अपना बयान दे चुके हैं और हमारी ओर से इसमें कुछ जोड़ने को नहीं है। फाइलों में आईओसी के दो सदस्यों के नाम भी आए हैं—रिचर्ड कैरियन और जोहान एलियाश—हालांकि किसी भी तरह की गलत भूमिका का कोई संकेत नहीं है। इस पर कोवेंट्री ने कहा, हम मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर रख रहे हैं और सामने आई जानकारी को समझने के लिए समय चाहिए। उल्लेखनीय है कि मिलानो-कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक 6 से 22 फरवरी तक आयोजित होंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ वर्षा बाधित दूसरा टी-20 जीतकर श्रृंखला अपने नाम की

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
पाल्लेकल

टॉम बेंटोन के 33 गेंद में नाबाद 54 रन की मदद से इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ वर्षाबाधित दूसरा टी20 डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर छह विकेट से जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के पास तीन मैचों की श्रृंखला में 2.0 की विजयी बढत हो गई है। बेंटोन ने अपनी पारी में तीन छक्के और चार चौके लगाये जिसके दम पर इंग्लैंड ने 17 ओवर में 168 रन के संशोधित लक्ष्य के जवाब में 16.4 ओवर में चार विकेट पर 173 रन बनाये। जोस बटलर ने 29 गेंद में 39 रन जोड़े। इससे पहले श्रीलंका ने पांच विकेट पर 189 रन बनाये। पवन रत्नायके ने 22 गेंद में 40 रन की पारी खेली। शुक्रवार को वर्षाबाधित पहले मैच में श्रीलंका को 11 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था। आखिरी टी20 मंगलवार को यहीं खेला जायेगा।

टी-20 विश्व कप के शुरूआती चरण में टीम से नहीं जुड़ेंगे हेजलवुड : चयनकर्ता

सिडनी। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट से उबरने के बाद श्रीलंका में टी20 विश्व कप के शुरूआती मैचों के लिये टीम के साथ नहीं जायेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने सोमवार को यह जानकारी दी। नाथन हिल्स, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल कोलंबो पहुंच चुके हैं और मंगलवार को टीम से जुड़ेंगे। आस्ट्रेलिया को प्रारंभिक दौर के चार मैच श्रीलंका में खेलने हैं। उसे पहला मैच 11 फरवरी को आयरलैंड से खेलना। हेजलवुड टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में सिडनी में रहेंगे। सीन एबोट यात्रा रिजर्व के तौर पर टीम के साथ जायेंगे। हेजलवुड चोट के कारण 2025.26 एशेज श्रृंखला से भी बाहर रहे थे। डोडेमेड ने यह नहीं बताया कि हेजलवुड कब से खेल सकेंगे। आस्ट्रेलिया के प्रारंभिक दौर के मुकाबले 20 फरवरी को खत्म होंगे। टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जायेगा।

भारत से मैच के बहिष्कार पर आईसीसी की सख्त चेतावनी पाकिस्तान की चयनात्मक भागीदारी पर उठे सवाल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले से अलग रहने के पाकिस्तान के फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। आईसीसी ने स्पष्ट कहा है कि किसी वैश्विक टूर्नामेंट में चयनात्मक भागीदारी खेल की निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धी भावना के खिलाफ है तथा इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई, जिसमें पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने की अनुमति तो दी, लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में न उतरने की बात कही। हालांकि इस फैसले का आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। आईसीसी ने कहा कि उसे अभी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से औपचारिक सूचना का इंतजार है। परिषद ने अपने बयान में दोहराया कि उसके टूर्नामेंट समान शर्तों पर सभी टीमों की भागीदारी, निरंतरता और खेल भावना पर आधारित होते हैं। किसी एक मैच का बहिष्कार प्रतियोगिता की पवित्रता को प्रभावित करता है और इससे वैश्विक क्रिकेट ढांचे पर असर पड़ सकता है।

फोटोः हि.स.

आईसीसी ने उम्मीद जताई कि पीसीबी ऐसा समाधान तलाशेगा जो सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करे। भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी आयोजनों का सबसे अधिक दर्शक जुटाने वाला और व्यावसायिक रूप से अहम मैच माना जाता है। इसी कारण दोनों टीमों को अक्सर एक ही समूह में रखा जाता रहा है। नियमों के मुताबिक यदि पाकिस्तान यह मैच नहीं खेलता है तो उसे दो अंक गंवाने पड़ सकते हैं। साथ ही उसकी नेट रन रेट पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा, क्योंकि फॉरफिट की स्थिति में पूरे 20 ओवर उसकी पारी में जोड़े जाते हैं। टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। पाकिस्तान को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। वह 07 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा, जबकि अमेरिका और नामीबिया से उसके मुकाबले क्रमशः 10 और 18 फरवरी को निर्धारित हैं। अब सबकी नजर इस पर है कि पीसीबी आगे क्या रुख अपनाता है।

अनाहत सिंह ने स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीता

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

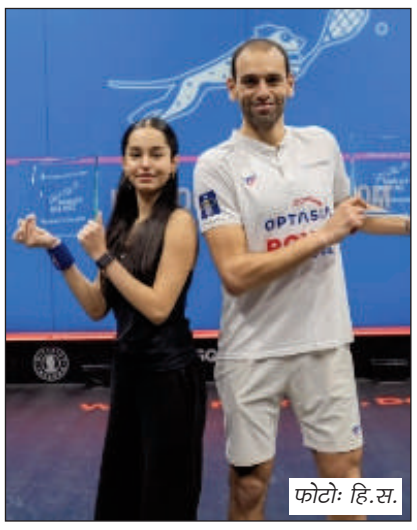

फोटोः हि.स.

भारत की उभरती स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीत लिया और अपने करियर का पहला पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल खिताब अपने नाम किया।

विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज अनाहत ने फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 10 जॉर्जिना केनेडी (इंग्लैंड) को सीधे गेमों में 12-10, 11-5, 11-7 से हराया। यह मुकाबला महज 26 मिनट में समाप्त हुआ। यह अनाहत का पहला विश्व स्तरीय पीएसए खिताब है।

विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अनाहत सिंह को हाल ही में पीएसए की ओर से वीमेंस चैलेंजर प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया था। इसके अलावा, उन्होंने वीमेंस यंग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी संयुक्त रूप से जीता। पुरुष वर्ग के फाइनल में मोहम्मद एलशोरबागी ने ऑल-इंग्लैंड मुकाबले में डेक्लन जेम्स को 11-4, 11-6, 11-8 से हराकर अपना 52वां पीएसए टूर खिताब जीता।

धर्म दर्पण

क्या है दीपक जलाने का सही समय, छोटी सी गलती दे सकती है नकारात्मक प्रभाव

शाम का समय घर में शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस समय दीपक जलाने की परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि ऊर्जा संतुलन से भी जुड़ी हुई है। मान्यता है कि यदि दीपक को सही समय, उचित स्थान और विधि के अनुसार जलाया जाए, तो घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति बनी रहती है। वहीं लापरवाही या गलत तरीके से दीपक जलाने पर इसका विपरीत प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। वास्तु के अनुसार दीपक जलाने की सही आदत तनाव और आर्थिक परेशानियों को कम करने में सहायक होती है।

शाम को दीपक जलाने का महत्व

शाम के समय दीपक जलाने से दिनभर की नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और घर में सुकून का माहौल बनता है। हालांकि इसके लिए सही समय और विधि का पालन जरूरी है, क्योंकि गलत तरीके से दीपक जलाने से मानसिक दबाव और धन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। दीपक हमेशा साफ-सुथरे वातावरण और शांत मन से जलाना चाहिए।

दीपक जलाने का शुभ समय

घर में दीपक जलाने का सबसे उत्तम समय सूर्यास्त के तुरंत बाद माना गया है। इस समय दीपक जलाने से पूरे दिन की थकान और नकारात्मकता दूर होती है। बहुत देर रात या पूरी तरह अंधेरा होने के बाद दीपक जलाना विशेष लाभ नहीं देता। यदि रोज एक निश्चित समय पर दीपक जलाया जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

दीपक जलाने की सही जगह

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर या ईशान कोण में दीपक जलाना सबसे शुभ माना जाता है। यदि घर में पूजा स्थान उपलब्ध न हो, तो मुख्य द्वार के पास दीपक जलाया जा सकता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

गलत तरीके से दीपक जलाने के नुकसान

यदि दीपक गलत समय, गलत दिशा या बिना स्वच्छता के जलाया जाए, तो घर में तनाव, मानसिक अशांति और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। साफ-सफाई और दिशा का ध्यान न रखने पर सकारात्मक ऊर्जा के बजाय नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।

दीपक जलाते समय रखें इन बातों का ध्यान

- दीपक के लिए घी का प्रयोग श्रेष्ठ माना गया है।
- यदि घी उपलब्ध न हो, तो सरसों के तेल का दीपक भी शुभ फल देता है।
- दीपक जलाते समय मन और विचार सकारात्मक रखें।
- हाथ अच्छी तरह साफ करके ही दीपक जलाएं।
- दीपक को फूंक मारकर न बुझाएं, बल्कि हाथ से ही बुझाना उचित माना जाता है।

आर्थिक लाभ के लिए करें यह काम देवी लक्ष्मी की मिलेगी असीम कृपा

आर्थिक लाभ के लिए करें मां लक्ष्मी का पूजा-पाठ। मान्यताओं के मुताबिक, शुक्रवार का दिन सुख, वैभव और धन की देवी माता लक्ष्मी को समर्पित होता है, जिसे ज्योतिष में शुक्र ग्रह से जोड़ा गया है। कहते हैं कि, जिन जातकों की कुंडली में शुक्र कमजोर होता है, उन्हें शुक्रवार को पूजा-पाठ व दान-दक्षिणा जैसे पुण्य कार्य करने चाहिए। इससे धन, वैवाहिक सुख और भौतिक सुखों से जुड़ी परेशानियां समाप्त होती हैं। हालांकि, शुक्रवार को मां लक्ष्मी के 108 नामों का जाप करने से न केवल देवी लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं, बल्कि कुंडली में स्थित शुक्र का शुभ प्रभाव भी बढ़ता है। इससे जातक के आकर्षण में वृद्धि, आर्थिक बाधाएं दूर, वैवाहिक जीवन मधुर और कला में निखार आता है। ऐसे में आइए इन शक्तिशाली नामों को जानते हैं।

मां लक्ष्मी के 108 नाम

ॐ नित्यागतायै नमः
ॐ अनन्तनित्यायै नमः
ॐ नन्दिन्यै नमः
ॐ जनरञ्जन्यै नमः
ॐ नित्यप्रकाशिन्यै नमः
ॐ स्वप्रकाशस्वरूपिण्यै नमः
ॐ महालक्ष्म्यै नमः
ॐ महाकाल्यै नमः
ॐ महाकन्यायै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ भोगवैभवसन्धात्र्यै नमः
ॐ भक्तानुग्रहकारिण्यै नमः
ॐ ईशावास्यायै नमः
ॐ महामायायै नमः
ॐ महादेव्यै नमः
ॐ महेश्वर्यै नमः
ॐ ह्रल्लेखायै नमः
ॐ परमायै नमः
ॐ शक्त्यै नमः
ॐ स्वप्रकाशात्मरूपिण्यै नमः
ॐ त्रिपुरायै नमः
ॐ भैरव्यै नमः
ॐ विद्यायै नमः
ॐ हंसायै नमः
ॐ वागीश्वर्यै नमः
ॐ शिवायै नमः
ॐ मातृकाबीजरूपिण्यै नमः

ॐ नित्यानन्दायै नमः
ॐ नित्यबोधायै नमः
ॐ नादिन्यै नमः
ॐ जन्मोदिन्यै नमः
ॐ सत्यप्रत्ययिन्यै नमः
ॐ वाग्देव्यै नमः
ॐ महारात्र्यै नमः
ॐ कालरात्र्यै नमः
ॐ त्रिलोचनायै नमः
ॐ भद्रकाल्यै नमः
ॐ कराल्यै नमः
ॐ महाकाल्यै नमः
ॐ तिलोत्तमायै नमः
ॐ काल्यै नमः
ॐ करालवक्त्रान्तायै नमः
ॐ कामाक्ष्यै नमः
ॐ कामदायै नमः
ॐ शुभायै नमः
ॐ चण्डिकायै नमः
ॐ चण्डरुपेशायै नमः
ॐ चामुण्डायै नमः
ॐ चक्रधारिण्यै नमः
ॐ त्रैलोक्यजनन्यै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ त्रैलोक्यविजयोत्तमायै नमः
ॐ सिद्धलक्ष्म्यै नमः
ॐ क्रियालक्ष्म्यै नमः

ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः
ॐ प्रसादिन्यै नमः
ॐ उमायै नमः
ॐ भगवत्यै नमः
ॐ दुर्गायै नमः
ॐ चान्द्यै नमः
ॐ दाक्षायण्यै नमः
ॐ शिवायै नमः
ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः
ॐ धरायै नमः
ॐ वेलायै नमः
ॐ लोकमात्रे नमः
ॐ हरिप्रियायै नमः
ॐ पार्वत्यै नमः
ॐ परमायै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ ब्रह्मविद्याप्रदायिन्यै नमः
ॐ अरूपायै नमः
ॐ बहुरुपायै नमः
ॐ विरुपायै नमः
ॐ विश्वरूपिण्यै नमः
ॐ पञ्चभूतात्मिकायै नमः
ॐ वाण्यै नमः
ॐ पञ्चभूतात्मिकायै नमः
ॐ परायै नमः
ॐ कालिम्नयै नमः
ॐ पञ्चिकायै नमः

ॐ वाग्म्यै नमः
ॐ हविषे नमः
ॐ प्रत्यधिदेवतायै नमः
ॐ देवमात्रे नमः
ॐ सुरेशानायै नमः
ॐ वेदगर्भायै नमः
ॐ अम्बिकायै नमः
ॐ धृतये नमः
ॐ सङ्ख्यायै नमः
ॐ जातये नमः
ॐ क्रियाशक्त्यै नमः
ॐ प्रकृत्यै नमः
ॐ मोहिन्यै नमः
ॐ मह्यै नमः
ॐ यज्ञविद्यायै नमः
ॐ महाविद्यायै नमः
ॐ गुह्यविद्यायै नमः
ॐ विभावर्यै नमः
ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः
ॐ महामात्रे नमः
ॐ सर्वमन्त्रफलप्रदायै नमः
ॐ दारिर्द्यध्वंसिन्यै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ हृदयग्रन्थिभेदिन्यै नमः
ॐ सहस्रादित्यसङ्काशायै नमः
ॐ चन्द्रिकायै नमः
ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः

यूटी चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में सचिव शिक्षा एवं निदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा तथा श्री नितिश सिंगला, पीसीएस, निदेशक, स्कूल शिक्षा, यूटी चंडीगढ़ प्रशासन ने आज सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य स्कूलों की जमीनी स्थिति का आकलन करना तथा शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने धनास स्थित गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल (आरसी-1, आरसी-2 एवं आरसी-3) का दौरा किया। उन्होंने विद्यालयों के आधारभूत ढांचे, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता सुविधाओं, कक्षाओं, खेल मैदानों तथा परिसर की समग्र स्वच्छता की स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही अधिकारियों ने छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की तथा शैक्षणिक कार्यप्रणाली, छात्र कल्याण और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान स्कूल भवनों एवं खेल मैदानों में मरम्मत की आवश्यकता तथा पेयजल शुद्धिकरण संयंत्र/कूलरों के खराब पाए जाने जैसी कमियां सामने आईं। संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि इन कमियों को 15 दिनों के भीतर दूर किया जाए, अन्यथा व्यक्तिगत उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। इससे पूर्व, दिन में श्री नितिश सिंगला, निदेशक स्कूल शिक्षा ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), सेक्टर-19, चंडीगढ़ के कार्यालय का भी औचक निरीक्षण कर कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की समीक्षा की। ये औचक निरीक्षण सरकारी स्कूलों में निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए गए।

राव नरबीर सिंह ने प्रथम हरियाणा पक्षी उत्सव-2026 के पोस्टर का किया विमोचन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग न करने का लें संकल्प-राव नरबीर सिंह

हरियाणा के पर्यावरण, वन और वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पशु-पक्षियों का आदिकाल से हमारे जीवन में विशेष महत्व रहा है। देवी-देवताओं का भी पशु-पक्षियों से गहरा संबंध रहा है, जो हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। इनके संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

राव नरबीर सिंह आज विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 2 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रदेश में आयोजित होने वाले प्रथम हरियाणा पक्षी उत्सव-2026 के पोस्टर का विमोचन किया तथा उत्सव के दौरान होने वाली विभिन्न गतिविधियों के कैलेंडर का लोकार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

राव नरबीर सिंह ने कार्यक्रम के शीर्ष वाक्य ह्लआर्द्रभूमियां और पारंपरिक ज्ञान-प्रकृति एवं संस्कृति का उत्सवह्व की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा में सुल्तानपुर (गुरुग्राम) और भिंडावास (झज्जर) दो प्रमुख वेटलैंड हैं, जहां हर वर्ष हजारों प्रवासी पक्षी विभिन्न देशों से आते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान कुछ प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थीं, लेकिन सरकार का प्रयास है कि वेटलैंड्स पर आने वाले पक्षियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि हर वर्ष अधिक संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आएं।

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के बसई, चंदू तथा आसपास के तीन-चार गांवों में हजारों एकड़ भूमि पर जलभराव रहता है। इनमें से 200-300 एकड़ क्षेत्र में झील विकसित कर उसे पर्यटन स्थल के रूप में बदला जा सकता है, जिससे दिल्ली-एनसीआर के लोग भ्रमण के लिए आ सकेंगे और क्षेत्र को पॉलिथीन व प्लास्टिक से भी निजात मिलेगी।

वन मंत्री ने कहा कि हरियाणा में सिंगल-यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के निर्माण पर वर्ष 2013 से प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद इनका प्रयोग हो रहा है। इस कानून की सफलता जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने लोगों से सिंगल-यूज प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग न करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि पॉलिथीन जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो वातावरण को प्रदूषित करती हैं, जबकि जमीन में दबाने पर इसे गलने में लगभग 450 वर्ष लग जाते हैं। साथ ही यह शहरों की सीवरेज लाइनों की जल निकासी को भी प्रभावित करती है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य पॉलिथीन-मुक्त हरियाणा बनाना है, जिसके लिए जन-सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 40 प्रतिशत प्रदूषण पॉलिथीन के प्रयोग से होता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा वेटलैंड अथॉरिटी और तालाब प्राधिकरण का गठन किया गया है।

लंबे समय से लंबित प्रमुख रेल सेवाओं की बहाली का मुद्दा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सदन में उठाया

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा ने आज सदन में विशेष उल्लेख के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण रेल सेवाओं के शीघ्र पुनः संचालन की आवश्यकता को रेखांकित किया।

अपने वक्तव्य में श्री शर्मा ने कालकाझबाड़मेर एक्सप्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ट्रेन कालका, चंडीगढ़ एवं हिमाचल क्षेत्र को राजस्थान के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण रेल सेवा रही है। यह मार्ग वर्षों से लाखों यात्रियों के लिए आवागमन का एक भरोसेमंद और सुलभ साधन रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रेल सेवाएं वरिष्ठ नागरिकों, उपचार हेतु यात्रा करने वाले मरीजों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा वर्ग और छोटे व्यापारियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रही हैं। इन ट्रेनों का पुनः संचालन स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

इसके अतिरिक्त, श्री शर्मा ने हिमालयन क्वीन, पश्चिम एक्सप्रेस तथा कालका से अमृतसर तक चलने वाली अमृतसर मेल जैसी अन्य महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की उपयोगिता की ओर भी सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि ये सेवाएं लंबे समय से सुरक्षित, किफायती और सुविधाजनक यात्रा का माध्यम रही हैं तथा क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यात्रियों की सुविधा और संपर्क को प्राथमिकता देने की दिशा में रेल मंत्रालय के सतत प्रयासों के अंतर्गत इन सेवाओं के पुनः संचालन पर शीघ्र सकारात्मक विचार किया जाएगा। उन्होंने जनहित और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों के पुनः संचालन का अनुरोध किया।

यह विशेष उल्लेख सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा की नागरिक-केंद्रित अवसंरचना और यात्रियों के दैनिक जीवन से जुड़े मुद्दों पर उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गृह सचिव, यूटी चंडीगढ़ ने लीजर वैली, सेक्टर-10 में सुविधाओं की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री मन्दीप सिंह बराड़, आईएएस, गृह सचिव, यूटी चंडीगढ़ ने आज सेक्टर-10 स्थित लीजर वैली का दौरा कर क्षेत्र की स्थिति, रखरखाव तथा उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री अमित कुमार, आयुक्त, नगर निगम चंडीगढ़; श्री सी.बी. ओझा, मुख्य अभियंता; श्री राजीव कुमार मेहता, मुख्य वास्तुकार तथा डॉ. संगीता बग्गा, प्राचार्य, चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर भी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान गृह सचिव ने वॉकिंग एवं जॉगिंग ट्रैक्स का निरीक्षण किया तथा कुछ हिस्सों में तत्काल मरम्मत की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग को निर्देश दिए कि आगंतुकों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र किया जाए। स्वास्थ्य एवं वेलनेस के महत्व पर जोर देते हुए श्री मन्दीप सिंह बराड़ ने संबंधित विभागों को लीजर वैली में योग एवं व्यायाम की सुविधाएं विकसित करने की संभावनाओं का पता लगाने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने आगंतुक सुविधाओं में सुधार के लिए क्षेत्र में कैफेटेरिया स्थापित करने की व्यवहार्यता की भी जांच करने के निर्देश दिए, साथ ही स्वच्छता एवं पर्यावरणीय सततता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर को 15 दिनों के भीतर फिटनेस, योग, वेलनेस एवं माइंड-बॉडी हीलिंग से संबंधित सुविधाओं को सम्मिलित करते हुए एक समग्र डिजाइन प्रस्ताव तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है। प्रस्ताव में मौजूदा फिटनेस ट्रैक्स एवं उपकरणों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा तथा यह ली कॉर्बूज़िए द्वारा परिकल्पित ह्यसिटी ब्यूटीफुल के फेफड़ोंह्व के रूप में लीजर वैली की मास्टर प्लान अवधारणा के अनुरूप होगा। यह दौरा सार्वजनिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने, मनोरंजन स्थलों को बेहतर बनाने तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के प्रति चंडीगढ़ प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संक्षिप्त-समाचार

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर में आज गांव सेहत भोज नगल मोरनी ब्लॉक के प्रेम सिंह की पेयजल समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य एंव अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता को तुरंत मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। श्री सतपाल शर्मा ने गांव थापली के गोपाल की बारिश के कारण लौहे के बेरिकेड टूटने व घर को नुकसान होने को लेकर रिटेनिंग वॉल लगाने की मांग पर संबंधित अधिकारी को जल्द से जल्द मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने आज 9 लोगों की अलग अलग समस्याएं सुनी। कुछ का मौके पर समाधान किया बाकि के लिए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि समाधान शिविर का आयोजन हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के निदेर्शानुसार लघु सचिवालय के सभागार में सोमवार से वीरवार कार्य दिवस के दिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर से जुडते है और लोगों की समस्याओं व उनके समाधान की मोनिटरिंग करते है। उन्होंने सभी अधिकारियों को बिना विलंब किए जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से भी समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील की। इस अवसर पर जिला विकास एवं खंड अधिकारी विशाल पराशर, सीएम विंडो के एमीनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, नीरज चैधरी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, वन विभाग, मत्स्य विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी, पीएमडीएम, स्वास्थ्य व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

एसडी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप में फिल्म-मेकिंग की बारीकियों से रू-ब-रू हुए छात्र

सिटी दर्प संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत ह्लइनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शनह्व विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिजाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया से रू-ब-रू कराया गया। इसमें आइडिया जनरेशन से लेकर स्क्रिप्ट की परिकल्पना, शॉट कंपोज़िशन, कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बुनियादी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग तकनीकों, क्रिएटिव डायरेक्शन की आधुनिक शैलियों और विजुअल प्रभाव को सशक्त बनाने में फोटोग्राफी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

रिसोर्स पर्सन हरदेव सिंह ने समकालीन सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग, सौंदर्यबोध और मौलिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अलग सोच और दमदार प्रस्तुति ही कंटेंट को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। विद्यार्थियों ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिज्ञासाएँ रखीं और अपने रचनात्मक विचार साझा किए, जिससे पूरा वातावरण सीखने और नवाचार से भर गया। हैंड्स-ऑन अप्रोच ने छात्रों को नए नजरिए तलाशने के लिए प्रेरित किया और उनके भीतर फिल्म, टेलीविजन एवं डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में करियर के लिए आवश्यक क्रिएटिव माइंडसेट को मजबूती प्रदान की। वर्कशॉप का संयोजन डॉ. प्रिया चड्ढा द्वारा किया गया, जबकि डॉ. गुरजीत कौर और डॉ. दिव्या ज्योति रांदेव ने आयोजन सचिव की भूमिका निभाई। वर्कशॉप का सफल आयोजन विभाग की कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में रचनात्मकता के विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस, 2026 का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वन एवं वन्यजीव विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आज दिनांक 02 फरवरी 2026 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन शिक्षा विभाग, गैर-सरकारी संगठनों (यूथ इनोवेटिव सोसाइटी एवं ग्लोबल यूथ फेडरेशन) तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से किया गया। विश्व आर्द्रभूमि दिवस प्रतिवर्ष 02 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिवस 02 फरवरी 1971 को ईरान के कैस्पियन सागर के दक्षिणी तट पर स्थित रामसर नगर में आर्द्रभूमि पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (रामसर कन्वेंशन) को अपनाए जाने की स्मृति में मनाया जाता है।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 की थीम ह्लआर्द्रभूमि और पारंपरिक ज्ञानः सांस्कृतिक विरासत का उत्सवह्व रखी गई है। इसी क्रम में सुखना आर्द्रभूमि में एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न स्लोगन युक्त तख्तियों के माध्यम से सुखना आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व और संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर श्री मंदीप सिंह बराड़, आईएएस, गृह सचिव-सह-सचिव (वन एवं वन्यजीव), यूटी चंडीगढ़, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सुखना आर्द्रभूमि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे चंडीगढ़ की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर बताया तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वन विभाग के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

श्री सौरभ कुमार, आईएफएस, मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने विभाग की ह्लवेटलैंड मित्रह्व पहल की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 300 से अधिक नागरिक पोर्टल पर पंजीकरण कर स्वेच्छा से वेटलैंड मित्र के रूप में योगदान देने के लिए आगे आए हैं।

इसके अतिरिक्त, बॉटनिकल गार्डन, सरंगपुर, चंडीगढ़ में आयोजित एक पृथक कार्यक्रम के दौरान सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया गया। विद्यार्थियों ने आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र एवं पारंपरिक ज्ञान पर आधारित पोस्टरों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और समझ का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान श्री नवनीत कुमार श्रीवास्तव, आईएफएस, उप वन संरक्षक, विद्यालयों के शिक्षक, वन एवं वन्यजीव विभाग के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसे अतिरिक्त दो दिनों के लिए बढ़ाए जाने की संभावना

केवीआईसी चंडीगढ़ द्वारा पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में 10-दिवसीय पीएमईजीपी प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकुला

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी), चंडीगढ़ द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर की पी.एम.ई.जी.पी प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों–पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा बिहार–से खादी एवं ग्रामोद्योग के प्रीमियम उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला एक ही मंच पर प्रस्तुत की जा रही है। यह प्रदर्शनी पारंपरिक शिल्पकला, सतत विकास और उद्यमिता की भावना को प्रदर्शित करती है तथा आगंतुकों को एक ही छत के नीचे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव प्रदान करती है।

85 से अधिक प्रचार-सह-विक्रय स्टॉलों के साथ यह प्रदर्शनी दशहरा ग्राउंड (शालीमार ग्राउंड), सेक्टर-5, पंचकूला में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का एक जीवंत और प्रामाणिक बाजार उपलब्ध कराती है। यह प्रदर्शनी 30 जनवरी 2026 से 8 फरवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है तथा जन-प्रतिक्रिया के आधार पर इसे अतिरिक्त दो दिनों के लिए बढ़ाए जाने की संभावना है।

प्रदर्शनी में खादी और पीएमईजीपी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है, जो पारंपरिक शिल्पकला की समृद्धता को आधुनिक उपयोगिता के साथ प्रस्तुत करती है। प्रदर्शित प्रमुख उत्पाद श्रेणियाँ निम्नलिखित हैं:

वस्त्र एवं परिधानः हस्तकरघा सूती, रेशमी एवं पॉलीवस्त्र कपड़े, पॉली-ऊन फैब्रिक, कुर्तियां, बेडशीट, तकिया कवर, परदे तथा अन्य परिधान।

जैकेट एवं वेस्टकोटः प्रिंटेड खादी सूती जैकेट, कानपुरी प्रिंटेड कुर्ते, रिवर्सिबल जैकेट, पॉलीवस्त्र बंदी/हाफ जैकेट एवं संबंधित परिधान।

हर्बल एवं आयुर्वेदिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पादः आयुर्वेदिक औषधियाँ, हर्बल चाय, कंडीशनर, साबुन, मालिश तेल, फेस वॉश, लोशन, लिप बाम, सनस्क्रीन, हेयर ऑयल, अगरबत्ती, धूप एवं अन्य प्राकृतिक उत्पाद।

होम फर्निशिंग एवं उपयोगी वस्तुएँः तौलिए, कंबल, मेजपोश, कुशन कवर एवं सजावटी वस्तुएँ। खाद्य उत्पादः शहद, जैम, अचार एवं पीएमईजीपी इकाइयों द्वारा तैयार अन्य मूल्य-संवर्धित खाद्य उत्पाद। एक्सेसरीजः ऊनी शॉल, गर्म स्टोल, दुपट्टे, पर्स तथा विभिन्न प्रकार के चमड़े के उत्पाद।

प्रदर्शनी अवधि के दौरान आगंतुकों के लाभ हेतु अगरबत्ती निर्माण मशीनों, पॉटरी निर्माण तथा देसी चरखा, बॉक्स चरखा और एनएमसी चरखा जैसी विभिन्न कताई तकनीकों के लाइव प्रदर्शन किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, एक विशेष खादी सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किया गया है, जहाँ खादी प्रेमी फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं। 100 या उससे अधिक लाइक्स प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक सरप्राइज उपहार प्रदान किए जाएंगे।

मित्रों एवं परिवारों को अपने बच्चों सहित प्रदर्शनी में पधारने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है, जहाँ वे शीतकालीन संध्याओं का आनंद लेते हुए फूड स्टॉल्स पर गर्म नाश्ते का स्वाद ले सकते हैं। बच्चे पॉटरी निर्माण एवं चरखा कताई गतिविधियों में भाग लेकर इस भ्रमण को शैक्षणिक एवं मनोरंजक बना सकते हैं। आगंतुकों से अनुरोध है कि वे अपने परिवार सहित शीघ्र प्रदर्शनी का भ्रमण करें, प्रतिदिन सायं 6:00 बजे से 8:00 बजे तक आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद ले सकते हैं। प्रामाणिक खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की खरीद करें तथा खादी एवं पी.एम.ई.जी.पी उद्यमियों को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस प्रकार की सहभागिता से लघु, सूक्ष्म एवं ग्रामोद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय उद्यमिता सुदृढ़ होगी तथा आत्मनिर्भरता, सतत आजीविका और स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करते हुए मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी।

41वीं राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन 6 से 8 फरवरी को कुरुक्षेत्र में

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- **उत्कृष्ट नस्लों वाले पशुओं के पशुपालकों को राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा इनाम**
- **पंचकूला जिले से प्रतिदिन 7-7 बसों का संचालन निशुल्क किया जायेगा**

उपनिदेशक पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग पंचकूला डॉ. रणजीत सिंह जादौन ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा द्वारा 6 से 8 फरवरी तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन कुरुक्षेत्र डेवलपमेंट बोर्ड, मेला ग्राउंड, कुरुक्षेत्र में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में पशुओं की 53 उत्कृष्ट नस्लों को प्रदर्शित किया जायेगा। उत्कृष्ट नस्लों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुओं के पशुपालकों को राज्य सरकार द्वारा इनाम दिया जायेगा और सांत्वना पुरस्कार भी दिया जायेगा। पशुपालन विभाग द्वारा कुल 50 लाख तक के इनाम 53 प्रकार की पशुओं की केटेगरी में अजीतने वाले पशुपालकों को वितरित की जाएगी। इसके साथ ही पशु प्रदर्शनी में पशुओं की भागीदारी हेतु पशुपालकों को विभाग द्वारा किराया दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन लकी ड्रा द्वारा 3 -3 किसानों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय इनाम के तौर पर बूलट मोटरसाइकिल, स्कूटी तथा मिलकिंग मशीन दी जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा द्वारा पंचकूला जिले से प्रतिदिन 7-7 बसों का संचालन निशुल्क किया जायेगा। जिला के सभी पशुपालक पशु प्रदर्शनी में उत्कृष्ट नस्ल के पशुओं की भागीदारी के लिए अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय/औषधालय में सम्पर्क कर सकते हैं।